Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 247 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 22 मार्च 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

दुनिया का सबसे अच्छा साथी आपका अपना निश्चय है।

Your decision is the best friend of the world.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

निष्कासित नेता आकाश तिवारी की कांग्रेस में वापसी, बागी होकर लड़ा था पार्षद चुनाव

रायपुर (विसं)। बागी होकर पार्षद चुनाव लड़ने वाले निष्कासित कांग्रेस नेता आकाश तिवारी की पार्टी में वापसी हुई. प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने आज उन्हें फिर कांग्रेस में प्रवेश कराया. इस दौरान पीसीसी वीफदीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, महामंत्री मल्लिकत सिंह गैदू मौजूद रहे. बता दें कि नगरीय निकाय चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर आकाश तिवारी ने बागी होकर निर्दलीय चुनाव लड़ा था. इसमें रायपुर नगर निगम चुनाव में आकाश तिवारी ने जीत हासिल की थी.

तिरुमाला मंदिर में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाए : चंद्रबाबू नायडू

अमरावती (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने आज एक अहम बयान में कहा कि तिरुमाला मंदिर में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाना चाहिए, अगर दूसरे धर्मों के लोग वहां काम कर रहे हैं, तो उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना उन्हें दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम इस उद्देश्य के लिए सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र भेजेंगे। दरअसल मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू वहां पहुंचे हुए थे। उन्होंने कहा कि भगवान वेंकटेश्वर की संपत्ति की सुरक्षा के लिए एक पवित्र धागा बांधा गया है। उन्होंने कहा कि विदेशों में बसे हिंदू भी चाहते हैं कि वहां भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर बनाए जाएं।

अग्निवीर भर्ती परीक्षा परिणाम आज होगा घोषित

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में अग्निवीर भर्ती के परिणाम कल 22 मार्च 2025 को घोषित किए जाएंगे। सफल अभ्यर्थी भारतीय सेना में अग्निवीर बनकर देश की सेवा करेंगे। अभ्यर्थी परिणाम देखने के लिए जॉइन इंडियन आर्मी के साइट www.joinindian-army.nic.in का अवलोकन कर सकते हैं। परिणाम सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किए जाएंगे। सभी सफल अभ्यर्थियों को 24 मार्च को सुबह 06:30 बजे सेना भर्ती कार्यालय रायपुर शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय किकेट स्टेडियम, नया रायपुर में प्रारंभिक ब्रीफिंग और डिस्पैच प्रलेखन के लिए उपस्थित होना आवश्यक है। इन सभी सफल अभ्यार्थियों की ट्रेनिंग 01 मई 2025 से अलग-अलग सेंटर में दी जाएगी।

मुख्यमंत्री साय विश्व वानिकी दिवस पर विधानसभा में आयोजित संगोष्ठी में हुए शामिल

ऑक्सीजोन की तरह पूरे देश को ऑक्सीजन प्रदान कर रहा है छत्तीसगढ़ : विष्णुदेव साय

फॉरेस्ट्स एण्ड फूड्स थीम पर आधारित है वर्ष 2025 का विश्व वानिकी दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज विधानसभा के समिति कक्ष में आयोजित विश्व वानिकी दिवस संगोष्ठी में शामिल होकर प्रदेशवासियों को वन संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का 'ऑक्सिजोन' बनकर पूरे भारत को ऑक्सीजन प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश का 44 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है, जो न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और आर्थिक विरासत का अभिन्न हिस्सा भी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2025 का विश्व वानिकी दिवस फारेस्ट एंड फूड थीम पर आधारित है, जो इस बात पर बल देता है कि वन केवल ऑक्सीजन ही नहीं, बल्कि पोषण, रोजगार और संस्कृति का भी स्रोत हैं। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'वाइल्ड एडिबल प्लांट्स इन छत्तीसगढ़ स्टेट' पुस्तक का विमोचन किया तथा पुदीना-मिंट फ्लेवर के बस्तर काजू प्रोडक्ट को लॉन्च भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की 32 प्रतिशत आबादी जनजातीय भाई बहनों की है जो वनों के साथ गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वनों में निवासरत जनजातीय भाई-बहनों को वनाधिकार पट्टे प्रदान कर रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और खेती की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने बताया कि बस्तर की इमली, जशपुर का महुआ, चिरौंजी, हर्रा-बहेड़ा जैसे सैकड़ों लघु वनोत्पाद छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान हैं, जिनका वैल्यू एडिशन कर आदिवासी परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की नैसर्गिक सुंदरता की सराहना करते हुए कहा कि यहां के जलप्रपात, वनवासी संस्कृति और समृद्ध जैव विविधता पूरे देश के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। बस्तर का धूड़मारास अब विश्व पर्यटन मानचित्र पर स्थान बना चुका है। पर्यटन का विस्तार हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में लगभग चार करोड़ वृक्ष लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में पीपल फॉर पीपल कार्यक्रम के अंतर्गत हर चौराहे पर पीपल का रोपण किया गया है, जो भविष्य में शुद्ध ऑक्सीजन का सशक्त स्रोत बनेंगे। पीपल का पेड़ वैज्ञानिक रूप से सबसे अधिक ऑक्सीजन देने वाला वृक्ष है, और यह पहल शहरी हरियाली की दिशा में एक प्रभावी कदम है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के वन विश्व के सबसे सुंदर वनों में गिने जाते हैं। साल और सागौन के वृक्ष यहां की प्राकृतिक शोभा हैं। साल के वनों में एक अनूठा सम्मोहन है और यह गर्व की बात है कि छत्तीसगढ़ में वन क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है। जब तक जंगल हैं, तब तक जीवन है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, योगेश्वर राजू सिन्हा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव तथा वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्यसभा : केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद हो जाएगा समाप्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का कहना है कि 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। उन्होंने राज्यसभा में कहा, मैं देश को बताना चाहता हूं कि 31 मार्च 2026 तक इस देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। नक्सलवादियों ने समानांतर सरकारें बनाई, समानांतर सरकारें चलाईं। नक्सलवाद को समाप्त करने के पीछे नरेंद्र मोदी सरकार का 10 साल का विजन है।

गृह मंत्री शुक्रवार को राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने नवीनतम टेक्नोलॉजी के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई की है। इनके हर प्रकार के कम्युनिकेशन और आवाजाही का रेखांकन किया। ड्रोन और सैटेलाइट सर्विलांस किया। डाटा एनालिसिस करके अपने सुरक्षा बलों को लैस किया, जिसके आधार पर सुरक्षा बलों को कामयाबी मिली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन के मुकाबले अभी नक्सलवाद से जुड़ी हिंसक घटनाएं और सुरक्षाबलों के मारे जाने की संख्या में काफी कमी आई है। कांग्रेस शासनकाल में 126 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे। अब ऐसे केवल 12 जिले बचे हैं। अगले वर्ष 31 मार्च तक ये जिले भी नक्सलवाद से मुक्त हो जाएंगे। पहले नक्सल प्रभावित जिलों में एक भी नाइट लैंडिंग हेलीपैड नहीं थे। सुरक्षा बलों को मजबूती प्रदान करने के लिए ऐसे 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं। नक्सलियों के कई करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं। हमने इन इलाकों में विकास के लिए बजट को 300 प्रतिशत तक बढ़ाने का काम किया है। हाईवे बनाए और ग्रामीण सड़कें बनाई हैं। मोबाइल टावर लगाए हैं। पूरा नक्सल एरिया अब मोबाइल कनेक्टिविटी से लैस है।

उन्होंने जम्मू-कश्मीर में आए परिवर्तन के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में 33 सालों से वहां रात को सिनेमा हॉल नहीं खुलते थे, हमारे शासन में वहां खुले हैं। 34 साल से ताजिया के जुलूस की इजाजत नहीं थी, हमारे शासन में दी गई। जी-20 की बैठक में दुनिया भर के डिप्लोमेट्स वहां शांति से गए। कश्मीर की संस्कृति, खूबसूरती, भोजन और संगीत का अनुभव करके अपने देश लौटे हैं। इस देश में लाल चौक पर तिरंगा फहराने के लिए हम सब गए थे। प्रधानमंत्री और हमारे तत्कालीन अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से कश्मीर यात्रा निकाली थी। हमें लाल चौक जाने की परमिशन नहीं मिल रही थी। जब जिद की तो सेना की सुरक्षा में वहां जाकर आनन-फानन में ध्वज वंदन करके वापस आना पड़ा। आज उसी लाल चौक पर 'हर घर तिरंगा कार्यक्रम' में एक भी घर ऐसा नहीं था, जहां तिरंगा न हो। उन्होंने आगे कहा कि श्रीनगर में फॉर्मूला-4 रेसिंग कार का आयोजन हुआ। उसी लाल चौक पर कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई। मां शारदा देवी के मंदिर में दशकों के बाद दीपावली और सरस्वती पूजन हुआ। खीर भवानी का अष्टमी महोत्सव 22 साल बाद मनाया गया।

इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री ने बताया कि गांवों से सुविधाओं के लिए पलायन हो रहा है। जिस देश के बॉर्डर के गांव खाली हो जाते हैं, उस देश के बॉर्डर कभी सुरक्षित नहीं रह सकते, इसलिए एक नई अप्रोच के साथ पहले जिसे देश का अंतिम गांव कहा जाता था, अब उसे देश का पहला गांव कहा जाता है। मैं दावे से कहता हूं कि सुविधाओं की दृष्टि से भी यह गांव अगले 10 वर्ष में देश के प्रथम गांव होंगे। इसके लिए वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम लाया गया है। इसके अंतर्गत 90 प्रतिशत केंद्र का अनुदान है और 10 प्रतिशत राज्य का हिस्सा है। इस अनुपात में इन गांवों के लिए पैसा दिया जाता है। शुरुआत में 4,800 करोड़ रुपए के आवंटन से हमने 652 गांव को इसमें शामिल किया है। इसमें अरुणाचल प्रदेश के 455, उत्तराखंड के 51, हिमाचल के 75, सिक्किम के 46 और लद्दाख के कई गांव शामिल हैं।

पीएम मोदी आ रहे छत्तीसगढ़, डिप्टी सीएम साव ने तैयारियों का लिया जायजा

बिलासपुर (आरएनएस)। पीएम नरेंद्र मोदी 30 मार्च को छत्तीसगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। बिलासपुर में बिल्हा के मोहभट्ठा में पीएम का कार्यक्रम प्रस्तावित है। पीएम के कार्यक्रम को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई है।

डिप्टी सीएम अरुण साव आज सेक्रेटरी मनोज पिंगुआ के साथ तैयारियों की समीक्षा करने मोहभट्ठा कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे। साव ने जिले के तमाम अधिकारियों से चर्चा करते हुए जिम्मेदारियों को तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए और तैयारियों का जायजा भी लिया। डिप्टी सीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का छत्तीसगढ़ दौरा ऐतिहासिक होने जा रहा है। प्रदेश में सरकार बनने के 14 महीने बाद पीएम का यह पहला दौरा है। ऐसे में प्रदेश को इस दिन पीएम मोदी कई बड़ी सौगात देने जा रहे हैं, जिसमें रेलवे, एनएच, एनटीपीसी सहित सरकार की अलग-अलग परियोजनाएं शामिल हैं। डिप्टी सीएम ने पीएम के दौरे को खास बनाने जिले में स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के साथ विभागों व अधिकारियों को अलग-अलग टास्क भी सौंपे हैं।

बीजापुर और कांकेर के बाद अब सुकमा में लाल आतंक पस्त, 4 नक्सलियों का सरेंडर

सुकमा (विश्व परिवार)। बस्तर में पुलिस फोर्स का चौतरफा एक्शन जारी है. बीजापुर, दंतेवाड़ा, अबूझमाड़, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा में फोर्स के जवान लगातार एंटी नक्सल ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं. गुरुवार को बीजापुर में सुरक्षाबलों ने 26 नक्सलियों को मार गिराया. इसके साथ कांकेर में चार नक्सलियों का खात्मा हुआ. इसका असर बस्तर में लाल आतंक पर देखने को मिल रहा है. शुक्रवार को सुकमा में एक महिला नक्सली ने सरेंडर किया है. उसके ऊपर दो लाख का इनाम घोषित है. इस इनामी महिला नक्सली के साथ चार नक्सलियों ने सरेंडर किया है.

इनामी नक्सलियों का सरेंडर- सुकमा में दो लाख के इनामी नक्सली के साथ कुल चार माओवादियों ने फोर्स के सामने आत्मसमर्पण किया है. नियद नेल्लानार योजना से प्रभावित होकर नक्सली सरेंडर कर रहे हैं. छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर के नक्सल प्रभावित इलाकों में छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के साथ साथ नियद नेल्लानार योजना चला रही है. जिससे नक्सली प्रभावित होकर सरेंडर कर रहे हैं.

जिन नक्सलियों ने सरेंडर किया है. उनमें नक्सली कलमू आयते (महिला नक्सली), नुप्पो रघु, मड़कम कोना और सोड़ी लच्छा शामिल हैं. नक्सली कलमू आयते पति भीमा उर्फ कुहराम पर 2 लाख रुपये का इनाम था. सरेंडर करने वाले नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए प्रोत्साहित करने में सीआरपीएफ 223, 151, 50 और 218 बटालियन के साथ साथ कोबरा 204 बटालियन के कर्मियों की भूमिका रही है.सरेंडर नक्सलियों को शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के तहत कई तरह की सुविधाएं दी जाएगी.

सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को आरक्षण विधेयक पर कर्नाटक विधानसभा में बवाल, 18 बीजेपी विधायक सस्पेंड

बेंगलुरू (आरएनएस)। कर्नाटक विधानसभा आज जमकर हंगामा हुआ। हंगामे की वजह थी सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4त्न आरक्षण देने का मामला। इसके विरोध में भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। आर अशोक के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने आरक्षण बिल की कॉपी फाड़कर स्पीकर की ओर फेंक दी। आज हुए हंगामे के बाद भाजपा के 18 विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही से 6 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया। इससे पहले मार्शलों ने भाजपा विधायकों को उठाकर सदन से बाहर किया। कर्नाटक प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने शुक्रवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकारी निविदाओं में मुस्लिम ठेकेदारों को चार फीसदी आरक्षण देने का फैसला 'खुलेआम तुष्टीकरण की राजनीति' है।

येदियुरप्पा ने आज यहां संवाददाताओं से कहा,मुख्यमंत्री ने बार-बार कहा है कि सरकारी निविदाओं में चार प्रतिशत आरक्षण मुसलमानों को दिया जायेगा। सवाल यह है कि सिर्फ मुसलमानों को ही क्यों? सभी समुदायों के समर्थन से सत्ता में आए मुख्यमंत्री ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को क्यों भुला दिया और कर्नाटक में हिंदुओं के साथ हो रहे अन्याय की उपेक्षा क्यों की। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेश में पढ़ने वाले मुस्लिम छात्रों के लिए वित्तीय सहायता 20 लाख से बढ़ाकर 30 लाख कर दी गई है, जबकि मुस्लिम महिलाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए धन आवंटित किया गया है।

जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाली पंडरिया विधायक भावना बोहरा चुनी गई उत्कृष्ट विधायक

पंडरिया विधानसभा की उत्कृष्ट जनता का आभार, उत्कृष्ट विधायक बनने का अवसर उनके विश्वास,सहयोग और मार्गदर्शन से मिला है : भावना बोहरा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र 2024-25 के अंतिम दिन शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह ने उत्कृष्ट विधायकों की घोषणा करते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा को वर्ष 2024-25 के उत्कृष्ट विधायक के रूप में उनके नाम की घोषणा की। भावना बोहरा ने वर्ष 2024-25 की अवधि में संपन्न हुए बजट सत्र, मानसून सत्र एवं शीतकालीन सत्र में विधानसभा में विभिन्न विषयों पर चर्चा के दौरान सक्रियता से भाग लिया, वहीं क्षेत्र एवं प्रदेश से जुड़ें प्रमुख मुद्दों और जनता के हित को ध्यान में रखते हुए उनकी समस्याओं के समाधान व आवश्यकताओं को लेकर मुखर रही, इस दौरान उन्होंने कई ऐसे विषय भी उठाए जो जनता की मूल भावनाओं से जुड़े हुए थे।

भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा सहित प्रदेश में संचालित हो रहे विकास कार्यों और योजनाओं के साथ-साथ सरकार का पक्ष भी रखा। वे लगातार विधानसभा में उपस्थित रहीं एवं सदन की गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया। भावना बोहरा ने इस वर्ष विधानसभा में पंडरिया विधानसभा सहित प्रदेश, महिला, युवा, उद्योग,शिक्षा जैसे विभिन्न विषयों से जुड़ें प्रश्न सदन में किया। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि मैं सबसे पहले पंडरिया विधानसभा की उत्कृष्ट जनता का आभार व्यक्त करती हूँ क्योंकि उत्कृष्ट विधायक बनने का अवसर उनके विश्वास, सहयोग और मार्गदर्शन से मिला है और यह सम्मान मैं उन्हें ही समर्पित करती हूँ। मैं पूरे सदन एवं विधानसभा अध्यक्ष आदरणीय डॉ.रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का भी आभार व्यक्त करती हूँ।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा बोले- नक्सलमुक्त पंचायतों को मिलेंगे एक करोड़ रुपए, मिलेंगी ये सुविधाएं...

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने आज विधानसभा परिसर में पिछले दिनों बीजापुर, कांकेर और नारायणपुर जिलों में 30 नक्सलियों के एनकाउंटर में मारे जाने पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब केवल सरकार और फोर्स ही नहीं बल्कि जनता भी नक्सलवाद के खात्मे के लिये पूरी तरह से तैयार है। राज्य सरकार नक्सलमुक्त पंचायतों (नक्सलमुक्त गांव) को विकास कार्यों के लिये एक करोड़ रुपये देगी। छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहे विकास कार्य यह बयां करता है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अब शांति और समृद्धि का नया युग आने वाला है।

उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक बस्तर से नक्सलवाद खत्म करने का लक्ष्य रखा है। सीएम साय के नेतृत्व में इस अभियान में और तेजी आयेगी। सुरक्षा बलों ने पिछले दिनों सघन सर्च ऑपरेशन में 30 नक्सली मारे गए हैं। बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र में डीआरजी, एसटीएफ, बस्तर फाइटर्स, कोबरा और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन में 26 नक्सली मारे गयेय। वहीं कांकेर और नारायणपुर के बॉर्डर इलाके में डीआरजी, बस्तर

फाइटर्स और बीएसएफ की संयुक्त कार्रवाई में 4 अन्य नक्सली ढेर हुए। इस ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने एके-47, एसएलआर, इंसास, 303 राइफल, रॉकेट लॉन्चर और बीजीएल लॉन्चर सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है।

बस्तर में विकास की नई राह

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को तेज़ी से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। हाल ही में 577 मोबाइल टावरों की स्थापना की गई है, जिससे दूरसंचार सुविधाओं में व्यापक सुधार हुआ है। बीजापुर से पामेड़, नारायणपुर से मस्कुल, दंतेवाड़ा से अरनपुर, और जगारगुंडा तक बस सेवाएं बहाल कर दी गई हैं, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

वीरगति की स्मृति को सम्मान

उन्होंने कहा कि प्रदेश में वीर बलिदानी योजना के तहत प्रारंभिक रूप से 10 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे शहीद जवानों की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। इस योजना के तहत पंचायत विभाग के माध्यम से लगभग 500-600 प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी।

बस्तर पंडुम का भव्य आयोजन

डिप्टी सीएम ने कहा कि बस्तर की समृद्ध संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए 1-3 अप्रैल को बस्तर पंडुम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में बस्तर के 85 मांझी, पद्मश्री सम्मानित विभूतियां, स्थानीय कलाकार और विशिष्ट अतिथि भाग लेंगे।

मुठभेड़ के बाद सर्चिंग में मिला भारी मात्रा में हथियार, रॉकेट लांचर, विस्फोटक

14 महिला माओवादी सहित कुल 26 वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद, मुठभेड़ में मारे गये 18 माओवादियों की शिनाख्त हुई है

बीजापुर-रायपुर (विसं)। थाना गंगालूर क्षेत्रान्तर्गत अंडरी के जंगलों में पुलिस और माओवादियों के साथ हुए मुठभेड़ में 14 महिला माओवादी सहित कुल 26 वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद कर लिया गया है वहीं मुठभेड़ में मारे गये 18 माओवादियों की शिनाख्त हुई है, शेष मारे गये माओवादियों की पहचान की जा रही है। शिनाख्त 18 माओवादियों में डीवीसीएम-01, एसीएम 05, पीपीसीएम 03 (प्लाटून पार्टी कमेटी मेंबर), पीएलजीए-09 शामिल हैं। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में एके 47, एसएलआर, इंसास रायफल, 303 रायफल, रॉकेट लॉचंर, बीजीएल लांचर हथियार समेत विस्फोटक पदार्थ, दवाईयां, माओवादी वर्दी, साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद हुआ है।

माओवादी मुठभेड़ में डीआरजी बीजापुर के आरक्षक राजूराम ओयाम, बहादुरी से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। शहीद जवान के पार्थिव शरीर जिला मुख्यालय लाया गया, शहीद जवान को आज दिनांक 21/03/2025 नये पुलिस लाईन स्थित शहीद वाटिका में श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ0 जितेन्द्र कुमार यादव द्वारा बताया गया कि पश्चिम बस्तर डिवीजन के कॉय-2 , प्लाटून नंबर13 और दरभा डिवीज़न के सशस्त्र माओवादियों के दंतेवाड़ा और बीजापुर के सरहदी क्षेत्र में उपस्थिति की आसूचना पर नक्सल विरोधी सर्च अभियान में बीजापुर डीआरजी, बस्तर फाइटर्स, एसटीएफ की टीम थाना गंगालूर क्षेत्रान्तर्गत तोड़का, पीड़िया, अंडरी की ओर रवाना हुई थी। अभियान के दौरान दिनांक 20/03/2025 के प्रात: लगभग 07:00 बजे थाना गंगालूर क्षेत्रान्तर्गत अंडरी के जंगल में संयुक्त पार्टी एवं माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, जो शाम तक रूक-रूक कर चलती रही। मुठभेड़ समाप्ति उपरांत सभी टीमों द्वारा सर्च करने पर वर्दीधारी 14 महिला एवं 12 पुरूष कुल 26 हार्डकोर वर्दीधारी माओवादियों का शव हथियार, सामग्री सहित बरामद हुआ। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा हथियार एवं विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ है। पुलिस उप महानिरीक्षक, दंतेवाड़ा रेंज दंतेवाड़ा द्वारा बताया गया कि मुठभेड़ में शहीद डीआरजी के आरक्षक राजूराम ओयाम, निवास ग्राम बोड़गा थाना भैरमगढ जिला बीजापुर की पार्थिव शरीर जिला मुख्यालय बीजापुर लाया गया द्य शहीद जवान को आज दिनांक 21/03/2025 के पूर्वान्ह 10.00 बजे नया लाईन स्थित शहीद वाटिका में श्रद्धांजलि दी गई।

संक्षिप्त समाचार

विश्व जल दिवस : पीपला फाउंडेशन ने जिला सहकारी बैंक में लगाया वाटर कूलर, जल का सदुपयोग करने किया आग्रह

आरंग (विश्व परिवार)। शुक्रवार को नगर के स्वयंसेवी सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन ने खरोरा रोड स्थित जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित आरंग के परिसर में वाटर कूलर लगाया। जिससे कि गर्मी में लोगो को शीतल जल उपलब्ध हो सके। ज्ञात हो कि अब तक पीपला फाउंडेशन के संयोजन में नगर के मुक्तिधाम, नेताजी चौंक, सब्जी मार्केट तथा महासमुंद के बस स्टैंड में वाटर कूलर लगा चुका हैं। जहां वर्ष भर लोगों को शीतल जल मिल रहा। वहीं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के प्रबंधक नरेन्द्र चंद्राकर ने पीपला फाउंडेशन की जलदान मिशन की सराहना करते हुए कहा बैंक परिसर में वाटर कूलर लगने से किसानों को हमेशा शीतल जल मिलेगा। यहां हमेशा ग्रामीण अंचलों के किसान बड़ी संख्या में आते हैं।अब उन्हे गर्मी में शीतल जल के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा।वहीं फाउंडेशन के सदस्यो ने 22 मार्च को विश्व जल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए लोगों को जल का सदुपयोग करने अपील किए हैं। इस अवसर पर फाउंडेशन के अध्यक्ष दूजेराम धीवर, संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, सक्रिय सदस्य प्रतीक टोंड्रे, शैलेन्द्र चंद्राकर, सूरज सोनकर, दुर्गेश निर्मलकर, अशोक साहू, दिना सोनकर, संजय मेश्राम, कमल साहू, बैंक स्टाफ से छबिराम साहू, रोशन साहू, गजेन्द्र साहू, वेदप्रकाश साहू, पुरूषोत्तम साहू, व्याख्याता द्वय भोला सोनी, भरतलाल साहू सहित किसानों की उपस्थिति रही।

जल संरक्षण जन भागीदारी से संभव, विश्व जल दिवस पर पानी बचाने ले संकल्प

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। महापौर श्री मधुसूदन यादव ने शहरवासियों को विश्व जल दिवस की शुभकामनाएं देते हुये जल

संरक्षण में भागीदारी बनने अपील की है। उन्होंने नागरियो से कहा है कि प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है, इसका प्रमुख उद्देश्य पानी के महत्व को जान पानी बचाने संकल्प लेना है। महापौर श्री यादव ने कहा कि आज पेड पौधे कटने के कारण वर्षा ऋतु में पर्याप्त मात्रा में वर्षा नहीं हो पाती है, जिससे पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। भविष्य में पानी की समस्या से बचने पर्यावरण संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी प्रकार जल संरक्षण में भी जन भागीदारी अति आवश्यक है। क्योकि जल संरक्षण हमारा दायित्व ही नही हमारा कर्तव्य भी है। इसके लिये हमे अपने घरों व आस पास व्यर्थ पानी नहीं बहने देना है, नलों में टोटीयों का उपयोग करना है, आवश्यकता अनुसार पानी का उपयोग करना है। महापौर श्री यादव ने कहा कि जल स्तर में वृद्धि करने रेन वाटर हारवेस्टिंग सबसे बड़ा उपाय है, सभी लोग अपने घरों में रेन वाटर हारवेस्टिंग लगाये तथा सोकपीट का निर्माण करें, ताकि घर में उपयोग किया हुआ खराब पानी सोकपीट में जाये और भूमि में नमी बनी रहे। इससे जल स्तर में वृद्धि होगी। उन्होंने विश्व जल दिवस के अवसर पर पानी बचाने, जल संरक्षण करने संकल्प लेने की अपील की है।

विधायक ललित ने की पहल, अरपा ने खोला बर्तन बैंक, महिलाओं को स्वालंबी बनाने एक कदम

रिसाली (विश्व परिवार)। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पहल की है। उनकी अनुशंसा पर अरपा स्व सहायता समूह को बर्तन उपलब्ध कराया। आजीविका मिशन कार्यालय में विधायक प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित मण्डल अध्यक्ष अनुप साहू व राजू जंघेल ने समूह को बर्तन सौपा। वन टाइम यूज प्लास्टिक और डिस्पोजल सामानों पर प्रतिबंध लगाने के बाद सरकार समूह के माध्यम से बर्तन बैंक खुलवा रही है। इसके लिए आजीविका मिशन के माध्यम से नि:शुल्क बर्तन दिया जा रहा है। रिसाली निगम आयुक्त मोनिका वर्मा ने बताया कि महिला समूह बर्तनों का निश्चित दर पर किराए पर देगी। आमदनी से कुछ राशि जोड़कर वे बर्तनों की संख्या को बढ़ा भी सकती है। इससे महिलाएं को अतिरिक्त आमदानी होगी। बर्तन सौपते समय सहायक परियोजना अधिकारी टिकेन्द्र वर्मा, आईरा आनंद, अरूणा धृतलहरे, मुकेश देशमुख, कुंजेश्वरी साहू, लता महानंद विशेष रूप से उपस्थित थे। संकल्प भी ली समूह के सद्स्यों ने इस अवसर पर अरपा महिला स्व सहायता समूह की सद्स्यों ने संकल्प ली कि विभिन्न कार्यक्रमों में डिस्पोजल सामानों का उपयोग नहीं करेंगी। वहीं आजीविका मिशन द्वारा उपलब्ध कराए बर्तनों का उपयोग करने लोगों को प्रेरित भी करेंगी।

पीएम आवास योजनांतर्गत छूटे हुए पात्र परिवारों का सर्वेक्षण शुरू

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार की महत्वपूर्ण प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण हेतु पात्र परंतु योजना में लाभ से वंचित परिवारों को लाभ पहुॅचाने हेतु आवास प्लस 2.0 के माध्यम से प्रत्येक ग्राम पंचायतों में सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर दीपक सोनी ने सभी छूटे हुए पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ लेने के लिये ग्राम पंचायत से सम्पर्क कर सर्वे में अपना नाम सम्मिलित कराने की अपील की है। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश एवं सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के मार्गदर्शन मे प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत जिले में सभी जनपद पंचायतों के ग्राम पंचायतों में सर्वेक्षण के लिए सचिव, रोजगार सहायक एवं आवास मित्र को प्रगणक बनाया गया है। प्रगणक द्वारा आवास प्लस 2.0 एप के माध्यम से सर्वे किया जा रहा है। साथ ही कोई भी व्यक्ति स्वयं एप के माध्यम से सर्वे कर सकता है। सर्वे हेतु आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड परिवार का विवरण अनिवार्य है। सर्वे में कुछ भी तकनीकी समस्या आने पर संबंधित जनपद पंचायत के आवास शाखा से संपर्क किया जा सकता है।

कलेक्टर पहुँचे आयुक्त के साथ वार्ड क्र.-21, कचरा कलेक्शन गाड़ी को रुकवाकर की जांच, देखा गीला-सूखा कचरा अलग-अलग है या नहीं

कलेक्टर ने आयुक्त के साथ सुबह नगर भ्रमण करके शहर की साफ सफाई व्यवस्था की जानकारी ली

दुकानदार अपने दुकान के कचरे को डस्टबिन में ही डालेंगे

दुर्ग (विश्व परिवार)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कमिश्नर सुमित अग्रवाल के साथ आज नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र वार्ड 21 सिंधिया नगर का पैदल भ्रमण करके शहर की साफ सफाई व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारी को शहर की नियमित साफ सफाई करने के निर्देश दिए हैं। शहर के नालियों को भी साफ करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कचरा कलेक्शन रिक्शा को रुकवाकर गीला-सूखा एकत्रित की जांच की।उन्होंने कहा कि गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करना जरूरी है क्योंकि इससे पर्यावरण की सुरक्षा होती है।लोगो के घरो मे जाकर निगम की कचरा कलेक्शन गाड़ी प्रतिदिन समय मे आता है।लोगो ने बताया कि प्रतिदिन सुबह घरों में गीला सूखा कचरा लेने निगम की गाड़ी आती है।

कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने जानकारी में बताया कि डोर-टू-डोर संपर्क कर स्वच्छता अपनाने के लिए हर घर, व्यापारिक प्रतिष्ठान व संस्थानों को प्रेरित किया जा रहा है।छोटी गुमटियों से लेकर बड़े होटल, मोहल्ले के घरों और कॉलोनियों को भी कचरे के पृथक्करण के लिए निरंतर समझाईश दी जा रही हैं।

कलेक्टर ने कालोनियों पर गीला कचरा और सुखा कचरा रखने के लिए कचरा डिब्बा भी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दुकानदारों को भी अपने आस पास के कचरों को इकट्ठा करके अपने कचरा डिब्बा में डालने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने कालोनियों से यूजर चार्ज की जानकारी ली।कलेक्टर अधिकारी से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की जानकारी ली और स्वच्छता दीदियों के द्वारा नियमित घर घर जाकर कचरा कलेक्शन करवाने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर ने रायपुर नाका बटालियन स्थित एसएलआरएम केंद्र का भी अवलोकन किया और अनुपयोगी समान को विक्रय करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कचरा कलेक्शन करने वाली की समूह की महिलाओं से चर्चा करके जानकारी ली स्वच्छता दीदियों ने बताया कि कचरा कलेक्शन करने के बाद बेकार की चीजें जैसे प्लास्टिक को अलग कर और कपड़ा से पैर दानी बनाया जा रहा है। जिसका विक्रय से समूह के स्वच्छता दीदियों को माह की आमदनी भी अच्छी हो रही है।निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम, वीपी मिश्रा, गिरीश दिवान, संजय ठाकुर, राजेंद्र ढाबाले, धर्मेंद्र मिश्रा, करण यादव, पंकज साहू, विकास दमाहे, सोएब अहमद परमेश्वर, पीआईयू कुणाल, राहुल सहित अन्य मौजूद रहें।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा में सी-मार्ट में स्वसहयता समूहों की सहभागिता बढ़ाने, कैम्पा मद और विभिन्न विषयों पर पूछा प्रश्न

पंडरिया (विश्व परिवार)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा में स्वसहयता समूह की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण व प्रोत्साहन के लिए सी-मार्ट में उनकी सहभागिता को बढ़ाने, कबीरधाम जिले अंतर्गत उद्योगों द्वारा जल दोहन, प्रदेश में संचालित शराब दुकानों, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन सभागृह में हुई अनियमितता एवं कैम्पा मद के संबंध में प्रश्न पूछा।

भावना बोहरा ने प्रदेश में संचालित शराब दुकानों के संबंध में प्रश्न किया कि प्रदेश में वर्तमान में कितनी शराब दुकानें संचालित हैं? इनमें से कितनी शराब दुकानों के 1 किलोमीटर के दायरे में शासकीय अथवा अशासकीय स्कूल/कॉलेज/ धार्मिक स्थल मौजूद हैं? नवम्बर, 2023 से पूर्व प्रदेश में शराब घोटाले में जो कंपनियां और एजेंसियाँ शामिल रही हैं, उन पर क्या कार्रवाई की गई है? जिसके लिखित प्रतिउत्तर में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में कुल 674 देशी/विदेशी शराब दुकानें संचालित हैं। वर्तमान में संचालित कुल 674 देशी/विदेशी शराब दुकानें में से 401 शराब दुकानों के 01 किलोमीटर के दायरे में शासकीय स्कूल, अशासकीय स्कूल, कॉलेज, धार्मिक स्थल मौजूद हैं। नवम्बर 2023 से पूर्व प्रदेश में शराब घोटाले में जो कंपनियों और एजेंसियों शामिल रही है उन पर केन्द्र सरकार की जांच एजेंसी, प्रवर्तन निदेशालय एवं राज्य सरकार की जांच एजेंसी राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो एवं एन्टी करप्शन ब्यूरो द्वारा जांच की जा रही है।

आंजनेय यूनिवर्सिटी द्वारा तीन दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन प्रारंभ

छत्तीसगढ़-विजन @ 2047 : चुनौतियाँ, दायित्व एवं सुझाव पर व्यापक मंथन

रायपुर (विश्व परिवार)। आंजनेय यूनिवर्सिटी, नरदहा, रायपुर में 21 मार्च से 23 मार्च 2025 तक तीन दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन 'छत्तीसगढ़-विजन @ 2047: चुनौतियाँ. दायित्व एवं सुझाव' का आयोजन उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त तत्त्वावधान में किया जा रहा है। यह सम्मेलन हाइब्रिड मोड (ऑफलाइन एवं ऑनलाइन) में आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षाविद, इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स भाग ले सकें। सम्मेलन का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा किया जाएगा। इस तीन दिवसीय आयोजन में विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें शिक्षाविद, प्रशासनिक अधिकारी एवं विषय विशेषज्ञ मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे।

चांसलर अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के विकास को 2047 तक एक समृद्ध. आत्मनिर्भर एवं प्रगतिशील राज्य बनाने की दिशा में आवश्यक रणनीतियों पर विचार करना है। इस अवसर पर तकनीकी नवाचारों का समावेश, औद्योगिक विकास, डिजिटल परिवर्तन, तकनीकी अनुसंधान, नीति निर्माण और सामाजिक न्याय के योगदान एवं चुनौतियों पर विशेष रूप से चर्चा होगी। यह आयोजन उन सभी शोधकर्ताओं, शिक्षकों, विद्यार्थियों और विशेषज्ञों के लिए एक बेहतर मंच साबित होगा जो छत्तीसगढ़ के भविष्य पर मंथन करना चाहते हैं। विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षाविदों को अपनी शोध-परियोजनाओं एवं नवीन विचारों को प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त होगा।

प्रो वाईस चांसलर ने कहा कि क्षेत्रीय सम्मेलन को सफल बनाने में कई प्रतिष्ठित कंपनियों एवं संस्थानों का समर्थन प्राप्त हो रहा है। जिनमें प्रमुख रूप से जिंदल पैंथर टीएमटी, श्री धन्वन्तरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर, सर्वोतम ऑइल, सारडा एनर्जी एंड मिनिरल्स लिमिटेड, निको, नवी वेल्थ, मैजिक पेंट्स, बिलासा ब्लड बैंक एवं एमकेजी फाउंडेशन सम्मिलित हैं। इन संस्थानों के सहयोग से इस आयोजन को व्यापक स्तर पर प्रभावशाली बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है।

कार्यक्रम सचिव डॉ. प्रांजलि गनी ने कहा कि हमें ऐसी आशा है कि आंजनेय यूनिवर्सिटी के इस प्रयास से न केवल एक स्पष्ट विकसित दृष्टि मिलेगी, बल्कि यह सम्मेलन अन्य राज्यों के लिए भी एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

संयंत्रो के समीप के क्षेत्रों मे पेयजल समस्या के निराकरण हेतु टीम गठित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले मे संचालित सीमेंट सयंत्र एवं क्रेशरों के खनन क्षेत्र के समीपवर्ती इलाकों मे पेयजल एवं कृषि निस्तारी की समस्या की सतत निगरानी एवं निराकरण कराने के लिए कलेक्टर दीपक सोनी के द्वारा एक समिति गठित कर दी गई है। समिति 15 दिवस के भीतर सभी सीमेंट सयंत्रो एवं क्रेशर क्षेत्र का भ्रमण कर तथ्यों की समुचित जांच करेंगे। पेयजल एवं कृषि निस्तारी की समस्या पाए जाने पर सम्बंधितों से समस्या का समाधान कराते हुए जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। समिति मे सम्बंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व क़ो अध्यक्ष एवं उप संचालक़ खनिज प्रशासन क़ो सदस्य सचिव बनाया गया है। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता, उप संचालक कृषि, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, सहायक संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, नोडल अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मण्डल रायपुर क़ो सदस्य बनाए गए हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-टेंडर नोटिस नं. एनआईटी/14/25/11, तिथि: 18.03.2025

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	खरीदी मात्रा
1	01253562	सिलिण्डर लॉ प्रेशर	01.04.2025 At 10:30 hrs	38 नग
2	04255030	रेट कॉन्ट्रेक्ट फॉर सप्लाई ऑफ जॉइन्ट लेस ग्रुव्ड कॉपर कॉन्टेक्ट वायर, 107 एस.क्यु. एम. एम.2 मेड आउट ऑफ कन्टिनिवस कास्ट कॉपर वायर	04.04.2025 At 10:30 hrs	600 एम.टी.
3	03251061	नॉन- एसबेस्टस बेस्ड 'के' टाइप हाई फिक्सन कम्पोजिट ब्रेक ब्लॉक फॉर कोचेस	07.04.2025 At 10:30 hrs	5000 नग
4	01251440	लोको साईड बफ्फर	09.04.2025 At 10:30 hrs	164 नग
5	02254226	"एल.ई.डी. बेस्ड ट्वीन बीम हेड लाइट"	09.04.2025 At 10:30 hrs	600 नग
6	02254308	इन्सपेक्सन सीट एसेंबली फॉर डब्ल्यु. ए. जी.-9, डब्ल्यु.ए.पी.- 7 एण्ड डब्ल्यु.ए.पी.-5 लोकोमोटिव्स	09.04.2025 At 10:30 hrs	590 सेट
7	06250092	रेट कॉन्ट्रेक्ट फॉर सप्लाई ऑफ इलास्टिक रेल क्लिप एम. के. ।।। विथ फ्लैट टॉए 60 के.जी. यू.आई.सी./52 के.जी. रेल सेक्सन	11.04.2025 At 10:30 hrs	864000 नग
8	01254199	स्प्रिंग-सिंगल कॉइल	14.04.2025 At 10:30 hrs	400 नग
9	05251184	एल.ई.डी. सिग्नल लैम्प फॉर मेन कलर लाईट सिग्नल (इंटिग्रेटेड) (यलो)	15.04.2025 At 10:30 hrs	1466 नग
10	06251120	रेट कॉन्ट्रेक्ट फॉर सप्लाई ऑफ थिक वेब स्विच एक्सपेंसन जॉइंट (टी.डब्ल्यु.एस.ई.जे.) 60 के.जी.	15.04.2025 At 10:30 hrs	950 सेट
11	01254173	ब्रेक रिगनिंग किट	16.04.2025 At 10:30 hrs	40 सेट
12	02251224	पांटोग्राफ माउटिंग इंसुलेटर एज पर सी.एल. डब्ल्यु. डी. आर. जी. न. सी. एल.डब्ल्यु./ई.एस/ एस. के.- 4/ ए.सी./ आई.- 1 ए.एल.टी.- के.	16.04.2025 At 10:30 hrs	728 नग
13	09252105	20 एम.एम. स्टील प्लेट	22.04.2025 At 10:30 hrs	79 एम.टी.

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरुरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सहायक सामग्री प्रबंधक- ।।
द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/576

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /19221/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 21-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19221
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802I01322** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GURVINDER SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SADA SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHHAYA DEVI YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NITESH YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /19189/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 21-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19189
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802K00135** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TEKRAJ SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SITA RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VIVEK KUMAR SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUBEDAR SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि मेरे पक्षकार **अटूड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, द्वारा डायरेक्टर डायरेक्टर - श्री मुकेश वर्मा, उम्र 49 वर्ष पिता स्वर्गीय श्री एस. पी. वर्मा, ,पता C2-101, ब्लॉक C, पहला माला, VIP करिश्मा खम्हारडीह रोड, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) ने श्री डेरहा सिन्हा पिता जोगी सिन्हा निवासी ग्राम रीवा पोस्ट रीवा तहसील-आरंग जिला-रायपुर छ.ग** की कृषि भूमि वाके मौजा **ग्राम – वाके मौजा ग्राम- रीवा, प हल्का नंबर 00024 रा.नि.मं. मंदिर हसौद तहसील-आरंग जिला रायपुर छ.ग** में स्थित **कृषि भूमि, खसरा नंबर – खसरा नं 325/4 रकबा 0.1570 हेक्टेयर एवं खसरा नं 325/10 रकबा 0.066 हेक्टेयर कुल खसरा -2, कुल रकबा 0.223 हेक्टेयर** विक्रय अनुबंध पत्र के माध्यम से क्रय करने हेतु बयाना राशि अदा कर सौदा कर लिया है। उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किसी व्यक्ति, वित्तीय संस्थान, बैंक, सोसायटी, शासकीय अर्द्धशासकीय विभाग को कोई आपत्ति हो अथवा पूर्व में कोई अनुबंध पत्र निष्पादित हो तो वह इस प्रकाशन के **पंद्रह (15)** दिवस के अंदर मेरे निम्न पते पर लिखित आपत्ति मय दस्तावेजों के साथ व्यक्तिगत रूप से अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत करें, अन्यथा मेरा पक्षकार उपरोक्त विक्रय पत्र अपने हक में पंजीकृत करवाने हेतु स्वतंत्र होगा व उक्त समयावधि के पश्चात कोई दावा, आपत्ति मान्य नहीं होगी।

अधिवक्ता राजेंद्र पटेल,
केनरा बैंक भवन, कांग्रेस भवन के सामने, गाँधी मैदान ,रायपुर
(मोबाइल 73899-32987)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर

निविदा सूचना

क्रमांक 127 नपानि / जोन-4 / लो.क.वि./ 2025 — रायपुर, दिनांक 19.03.2025

आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर की ओर से प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति (प्रथम में अमानती राशि, अन्य कागजात एवं द्वितीय में निविदा प्रपत्र) में सील बंद निविदाएं स्पीड पोस्ट से निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

1. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 27.03.2025 को सायं 5.30 बजे तक
2 निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - 01.04.2025 को सायं 5.30 बजे तक
3 निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 08.04.2025 को सायं 4.00 बजे तक
4 निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 08.04.2025 को सायं 4.30 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	अवधि	निविदा प्रपत्र	एस.ओ.आर. / नॉन एस.ओ.आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	व्हाइट हाउस स्थित शौचालय के नल, सिस्टर्न एवं पाईप का 1 वार्षिक मरम्मत कार्य। (सामान्य मद)	9.96	10000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	12 माह	प्रपत्र "ब"	पी.डल्ब्यु.डी. भवन / रोड एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015 एवं छ.ग. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जल एवं एस.ओ.आर. दिनांक 01/06/2020
2	नगर पालिक निगम का जय स्तंभ चौक में स्थित मल्टी लेवल 2 पार्किंग का सफाई व्यवस्था हेतु 07 सफाई श्रमिक एवं 03 सिक्युरिटी गार्ड रखे जाने हेतु कार्य। (सामान्य मद)	13.37	14000.00	750.00	ई.पी.एफ. एवं ई.एस.आई.सी. पंजीयन	12 माह	प्रपत्र "ब"	कलेक्टर दर
3	जोन क्रमांक 04 अंतर्गत कार्यालयीन कार्य के संपादन हेतु रखे गये कम्प्यूटर सेट एवं प्रिंटरों का टोनर रिपेयरिंग एवं मरम्मत कार्य। (संधारण मद)	2.52	3000.00	750.00	गुमास्ता लाईसेंस	12 माह	प्रपत्र "ब"	नॉन एस.ओ.आर. आयटम दर
4	वार्ड क्रं. 57 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर नाली, पुलिया, सड़क मरम्मत कार्य। (सड़कबाधा / संधारण मद)	1.87	3000.00	300.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	01 माह	प्रपत्र "अ"	पी.डल्ब्यु.डी. भवन / रोड़ एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015
5	नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन के प्रशासक कक्ष में वॉल पेपर विनाईल एवं अन्य सामग्री प्रदाय कर लगाये जाने का कार्य।	3.90	4000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	01 माह	प्रपत्र "अ"	पी.डल्ब्यु.डी. भवन / रोड़ एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015
6	जोन क्रमांक 04 अंतर्गत विभिन्न वार्डों में स्वच्छता संबंधित 2 डी पेटिंग/पुराने वॉल राईटिंग सुधारने एवं पेटिंग कराने का कार्य।	3.48	4000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उससे उपर	01 माह	प्रपत्र "ब"	नॉन एस.ओ.आर. आयटम दर

नोट- 1. निविदा से संबंधित दस्तावेज/छ.ग. पीडब्ल्यूडी का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र/जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र/पेन कार्ड/विगत 03 साल का इनकम टैक्स रिटर्न (नवीन पंजीकृत ठेकेदार/फर्म के लिये यह लागू नहीं होगा) / विगत 03 माह का जीएसटी रिटर्न / राशि रू. 100/- का शपथ पत्र (निविदा जारी होने के बाद का नोटराईजड) / राशि 200 लाख से अधिक के कार्यों के लिये कम से कम 15 प्रतिशत तक जीवित बैंक सॉल्वेंशी स्वीकार किया जावेगा। (राष्ट्रीयकृत बैंक का अमानती राशि (एफ.डी.आर. के रूप में) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।) (लिफाफा निविदा जारीकर्ता अधिकारी के नाम से पोस्ट किया जावे) निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है, तो उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।
2. निविदा से संबंधित नियम एवं अन्य शर्ते जोन कमांक 04 कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।
3. उक्त निविदा नगर निगम के वेबसाईट **nagar nigam raipur.nic.in** में देखी जा सकती है।
4. निविदा अंतर्गत (3rd Party Inspection) की राशि का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जायेगा जो कि कुल स्वीकृत राशि के 0.60 प्रतिशत एवं जीएसटी अतिरिक्त होगा।
5. कार्य क 02 हेतु ईपीएफ पंजीयन / ईएसआईसी प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है

घरो से निकलने सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक 4
नगर पालिक निगम, रायपुर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शनिवार 22 मार्च 2025

2 म्यूल खातों से 2,04,981 रूपये का ट्रांजेक्शन, रकम लेकर ठग को खाता का देते थे एक्सेस

म्यूल एकाउन्ट गिरोह को बैंक खाता, एटीएम व सीम उपलब्ध कराने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर(ब्यूरो दैनिक)-सूरजपुर पुलिस ने साइबर ठगों के नेटवर्क में शामिल 5 आरोपियों को पकड़ा है। ये आरोपी साइबर ठगों के लिए म्यूल बैंक अकाउंट, एमटीएम कार्ड उपलब्ध कराते थे। इसके साथ ही साइबर ठगों को मोबाइल सिम भी उपलब्ध कराते थे। इनके ऐसे 02 बैंक अकाउंट की पहचान की गई है, जिसमें 2 लाख रूपये से अधिक का ट्रांजेक्शन हुआ है। आरोपियों के म्यूल बैंक अकाउन्ट नंबरों एवं उनके मोबाईल नंबरों को सीज किया जा चुका है।

भारतीय सायबर अपराध समन्वय केन्द्र (आई फोर सी) द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल (ज्वाईट साइबर क्राईम कार्डिनेशन टीम मैनेजमेंट इन्फारमेंशन सिस्टम) में स्थित विभिन्न बैंक शाखाओं में संचालित लेयर-1 पर कार्यवाही करने के संबंध में पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ से शिकायत प्राप्त हुआ जिसमें म्यूल अकाउंट खाता धारक आनंद कुमार साहू निवासी मदनेश्वरपुर थाना रामानुजनगर के बैंक ऑफमहाराष्ट्र व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा सूरजपुर के एकाउंड शामील थे।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने ऑनलाईन सायबर फ्राड के शिकायतों का गंभीरता से लेते हुए शिकायत की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो से कराया। जांच उपरान्त साइबर फ्राड से संबंधित शिकायत में यूनियन बैंक सूरजपुर का खाता आनंद कुमार साहू के नाम से होने पर उसके विरूद्ध थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 150/25 धारा 413, 420, 120बी भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

विवेचना के दौरान थाना सूरजपुर पुलिस ने पाया कि म्यूल एकाउंट खाता धारक आनंद कुमार साहू के खाते में अलग अलग राज्य से संबंधित सायबर क्राईम में ठगी की गई रकम करीब 2,04,981/- रूपये का लेन-देन किया गया है। प्रकरण में म्यूल बैंक एकाउन्ट संग्रहण कर साइबर अपराध के गिरोह को बैंक एकाउन्ट, एटीएम एवं मोबाईल सीम उपलब्ध कराने वाले सौरभ साहू व अमन साहू तथा बैंक खाता देने वाले आनंद कुमार साहू, विशाल साहू व सूर्या सोनवानी को पकड़ा गया। पूछताछ पर सभी ने अपना जुर्म स्वीकार किया है। मामले में पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और आगे की कार्यवाही जारी है।

गिरफ्तार किए गए पांच आरोपी- सौरभ साहू पिता राजेन्द्र प्रसाद साहू उम्र 29 वर्ष ग्राम सोनहत, हालमुकाम बी टाईप, मकान नंबर 53 विश्रामपुर ,अमन साहू पिता राजकुमार साहू उम्र 19 वर्ष ग्राम कटकोना, थाना पटना, जिला कोरिया,आनंद कुमार साहू पिता कन्हैयालाल साहू उम्र 22 वर्ष ग्राम मदनेश्वरपुर थाना रामानुजनगर,विशाल कुमार साहू पिता पप्पू प्रसाद साहू उम्र 22 वर्ष ग्राम पम्पापुर, थाना सूरजपुर,सूर्या सोनवानी पिता ललन सोनवानी उम्र 19 ग्राम कटकोना, थाना पटना, जिला कोरिया

कार्यवाही में शामील पुलिस टीम - अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एएसआई संजय सिंह, प्रधान आरक्षक कृष्णकांत पाण्डेय, प्रदीप उपाध्यक्ष, आरक्षक रौशन सिंह, युवराज यादव, विनोद सारथी, रविराज पाण्डेय, संत पैंकरा व कामेश्वर नेताम सक्रिय रहे।

अब जानिए क्या है म्यूल एकाउंट- पुलिस ने बताया कि साइबर ठगी करने वाले ठगी से अर्जित गई रकम अपने बैंक खातों में जमा नहीं कराते, इसके लिए वे दूसरों के बैंक अकाउंट का उपयोग करते हैं। इसके एवज में खातेदार को कुछ रकम दी जाती है। बैंक अकाउंट, डिजिटल वॉलेट या अन्य वित्तीय माध्यमों का उपयोग साइबर अपराधी ठगी की रकम या अवैध धन को एक जगह से दूसरी जगह ट्रांसफर करने में करते हैं। ठगी की रकम को खपाने के लिए उनको बैंक खाते या वॉलेट की जरूरत पड़ती है। इसके लिए म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल करते है। किसी व्यक्ति को पैसा नौकरी, इनाम या निवेश का लालच देकर अपने जाल में फंसाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राष्ट्रीय रेफरी गौस बेग को ऑल इंडिया वॉलीबॉल प्रतियोगिता गोरखपुर के लिए मिला आमंत्रण

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-सरगुजा संभाग के एकमात्र अंतरराष्ट्रीय वालीबॉल रेफरी मोहम्मद गौस बेग को एडहाक कमेटी वालीबॉल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा ऑल इंडिया वॉलीबाल प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु गोरखपुर, उत्तरप्रदेश के लिए रेफरी के रूप में नियुक्त किया है । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ऑल इंडिया इनविटेशन वॉलीबाल प्रतियोगिता गोरखपुर उत्तर प्रदेश में 22 से 25 मार्च 2025 को आयोजित की जारी है, जिसमें भारत की प्रमुख टीमें भाग ले भाग ले रही है। प्रतियोगिता हेतु एडहाक कमेटी वॉलीबाल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा गौस बेग सहित विभिन्न राज्यों के रेफरियों को नियुक्त किया है , छत्तीसगढ़ ही नहीं वरन् भारत में वॉलीबाल खेल में सूरजपुर जिले को गौरवान्वित करने वाले गौस बेग इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे । गौस बेग भारत के काफी अनुभवी वॉलीबाल रेफरी में से एक है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के मैच खिलाने का अच्छा खासा अनुभव प्राप्त है।

चोरी का कोयला 3 गिरफ्तार, थाना झिलमिली पुलिस की कार्यवाही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के सख्त निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए है जिसके बाद से ही लगातार पुलिस कड़ी कार्यवाही में लगी हुई है। इसी क्रम में दिनांक 20/03/2025 को थाना झिलमिली पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम दलौनी खुर्द में कुछ व्यक्ति कोयला चोरी कर ईट भट्ठा में खपाने मोटर सायकल में ले जा रहे है। पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए मोटर सायकल में चोरी का कोयला परिवहन करते कन्हैया सिंह उम्र 40 वर्ष, लालमन सिंह उम्र 32 वर्ष व मेहीलाल सिंह उम्र 20 वर्ष तीनों निवासी ग्राम लॉजित थाना ओड़गी को पकड़ा। मौके से 1.5 क्विंटल कोयला एवं 3 मोटर सायकल जप्त किया गया। कोयला चोरी का होने के पूर्ण अंदेशा पर धारा 35(1-5)/303(2) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी झिलमिली नसीमुद्दीन व उनकी टीम सक्रिय रही।

कार्यालय के पास से कबाड़ की हुई चोरी

कोरबा(विश्व परिवार)। एसईसीएल दीपका खदान के समानता कार्यालय के पास रखे कबाड़ की चोरी हो गई है। सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक ने इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में चोरी का केस दर्ज किया है। एसईसीएल दीपका खदान में पदस्थ सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक ने बताया कि रविवार-सोमवार की दरमियानी रात खदान के समानता कार्यालय के पास पुराना रोलर और लोहा के स्क्रेप पाइप सहित अन्य लोहे रखे गए थे। सुरक्षा कर्मी की नजर इस स्क्रेप पर पड़ी तो पांच क्विंटल स्क्रेप नहीं थे। एसईसीएल की कोयला खदानों से कबाड़ और डीजल की चोरी को रोकने को लेकर प्रयास जारी है।

एमपी नगर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ हुई कार्यवाही

कोरबा(विश्व परिवार)। नगर निगम के द्वारा अतिक्रमणकारियों को बार-बार सम्मन देने के बावजूद भी उनके द्वारा अपने कब्जे को ना हटाने पर नगर निगम के द्वारा महाराणा प्रताप नगर के मुख्य मार्ग पर लगे ठेला और गुमटियों को जेसीबी के माध्यम से हटाया गया। लोगों ने इस दौरान कार्यवाही पर छुटपुट विरोध किया, परंतु यह विरोध नगर निगम के सामने नहीं टिक सका और नगर निगम की जेसीबी ने लगभग सभी बेजा कब्जाधारियों को मुख्य मार्ग से हटाने सख्त कार्यवाही की। इस दौरान नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी अखिलेश शुक्ला ने बताया कि महाराणा प्रताप नगर में नगर निगम के द्वारा एक भव्य गार्डन का निर्माण किया गया है, जिसमें लोगों का आना-जाना लगा रहता है। गार्डन के समीप लोगों के द्वारा खाली जमीन पर कब्जा करके अवैध ठेला और गुमटी लगा लिया गया था। जिसकी शिकायत लगातार नगर निगम को प्राप्त हो रही थी।

हाई कोर्ट आदेश के बाद निवर्तमान गोपाल नारायण सिंह द्वारा गठित सभी कमेटिया स्वत: हुई निरस्त -मंगला सिंह यादव

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-इंटक के पूर्व नेता गोपाल नारायण सिंह द्वारा गठित सभी कमेटिया हाई कोर्ट के आदेश आने के बाद स्वत: हुई निरस्त। उक्त जानकारी देते हुए राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ सह सचिव मंगला सिंह यादव ने देते हुए बताया कि माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ ने 4 दिसम्बर 2024 को छत्तीसगढ़ रजिस्टार द्वारा एस.ई.के.एम.सी.(इंटक) यूनियन के गोपाल नारायण सिंह के द्वारा जमा किये गये ई.फर्म को मान्यता दिया था जिसपर सम्पत शुक्ला अध्यक्ष एस.ई.के.एम.सी (इंटक) ने उच्च न्यायालय बिलासपुर मे रिट पीठ किया था जिसपर प्रकरण क्रमांक डब्लू पी एल/63/2025 20 मार्च 2025 को माननीय उच्च न्यायालय के विद्वान न्यायाधीश श्री राकेश मोहन पाण्डेय ने स्थगित कर दिया जैसा कि पूर्व मे गोपाल नारायण सिंह निर्वतमान अध्यक्ष एस.ई.के.एम.सी. (इंटक,) को कुसमुंडा क्षेत्र मे यूनियन की आयोजित आमसभा मे पिछले 9 अक्टूबत 2024 मे सर्वसम्मति से लिये गये निर्णय के अनुसार निर्वतमान अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह को साऊथ ईस्टर्न कोयला मजदूर कांग्रेस (इंटक) यूनियन से प्राथमिक सदस्यता और संगठन के सभी पदो से संगठन विरोधी कार्य एंव संगठन की राशि मे हेराफेरी के आरोप मे निष्कासित किया जा चुका गया है इसलिये गोपाल नारायण सिंह द्वारा बनाई गई सभी क्षेत्र की सभी कमेटियां स्वत: भंग हो चुकी है गोपाल नारायण सिंह को युनियन के संविधान मे संशोधन करने को उच्च न्यायालय बिलासपुर ने पहले ही निरस्त कर चुका है उक्त जानकारी राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के छत्तीसगढ़ प्रदेश वरिष्ठ सह सचिव मंगला सिंह यादव ने दी

हमर स्वस्थ्य लइका शिविर कुपोषण मुक्त बचपन की ओर एक सार्थक कदम

महासमुंद(विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास से 18 एवं 19 मार्च को राज्य पोषण हस्तक्षेप उत्कृष्टता केंद्र, एम्स रायपुर एवं यूनिसेफके तकनीकी सहयोग से हमर स्वस्थ्य लइका तीव्र कुपोषण का सामुदायिक प्रबंधन शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य अति गंभीर कुपोषित बच्चों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं, दवाइयां एवं पोषण संबंधी जानकारी प्रदान करना था, जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार हो सके और वे कुपोषण मुक्त स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ सकें। शिविर के दौरान बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बच्चों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें उचित उपचार एवं पोषण संबंधी दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इस पहल को सफल बनाने में राज्य एवं जिला पोषण समन्वयकों की तकनीकी सहायता महत्वपूर्ण रही। इसके प्रभावी समन्वय में सीडीपीओ, ब्लॉक पोषण समन्वयक, आरएचओ, फील्ड इन्वेस्टिगेटर, पर्यवेक्षक एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही, बीएमओ एवं बीपीएम ने भी गंभीर कुपोषित बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सलाह दी। राज्य पोषण हस्तक्षेप उत्कृष्टता केंद्र, एम्स रायपुर एवं यूनिसेफरायपुर के सहयोग से की गई यह पहल कुपोषण उन्मूलन के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस समन्वित प्रयास को सभी ने सराहा, क्योंकि सामूहिक प्रयासों से कुपोषण को समाप्त किया जा सकता है। इस तरह के शिविर न केवल बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार लाने में सहायक होते हैं, बल्कि माता-पिता एवं देखभाल करने वालों को भी सही पोषण संबंधी जानकारी प्रदान करते हैं।

कलेक्टर जयवर्धन ने प्रतापपुर के विभिन्न क्षेत्रों का किया दौरा

सूरजपुर(विश्व परिवार)। आज कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन एवं डी. एफ ओ. श्री पंकज कमल के द्वारा प्रतापपुर विकासखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया गया। अपने दौरे में कलेक्टर ने प्रतापपुर के स्वामी आत्मानंद स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने इस दौरान रसायन, भौतिकी और जीव विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया और प्रयोगशालाओं में सामग्री की उपलब्धता और सामग्री की आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली। अपने दौरे में उन्होंने मा. शा. कन्या आश्रम शान्ति नगर और बालक आश्रम कोड़ाकूपारा का भी निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत कर आश्रम की सुविधाओं एवं समस्याओं को जाना। साथ ही उन्होंने आश्रम में सुविधाओं के उन्नयन और बच्चे के किसी भी की समस्या के निराकरण को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। अपने दौरे में कलेक्टर ने ग्राम रमगवा में सोलर संचालित नल जल कनेक्शन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान ग्रामीणों से बातचीत कर जल आपूर्ति के बारे में जानकारी ली। इस संबंध में ग्रामीणों को समझाइश देते हुए कहा कि ग्राम सभा का आयोजन कर सभी जल आपूर्ति के लिए मोटर चालू करने का समय निर्धारित करें। किसी भी प्रकार से पेयजल को व्यर्थ बहाकर नष्ट न करें। इसके अलावा उन्होंने हाथी प्रभावित ग्राम गणेशपुर का दौरा करके वहां के लोगों से उनके समस्याओं को लेकर बातचीत की।

बालको की महिला कर्मचारियों को खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला सम्मान

बालकोनगर(विश्व परिवार)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोयला एवं खान मंत्रालय द्वारा खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए महिलाओं को सम्मानित किया गया। हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बालको की रूचि शर्मा और हिमांशी गुप्ता सम्मानित की गई। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे और तेलंगाना की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डी. अनसूया सीताक्का भी मौजूद थीं। कार्यक्रम के दौरान खनन उद्योग में असाधारण योगदान के लिए देशभर की 46 उत्कृष्ट पेशेवरों को सम्मानित किया गया। बालको के लिए गौरवान्वित पल है कि रुचि शर्मा (डिवीजनल कमर्शियल ऑफिसर) और हिमांशी गुप्ता (बिजनेस एनालिस्ट, डिप्टी सीईओ, मेटल) को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। महिलाओं द्वारा खनन उद्योग में बाधाओं को तोड़कर आगे बढ़ने को सराहा गया। खनन क्षेत्र में महिलाओं को पहचान दिलाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रुचि शर्मा ने बताया कि यह सम्मान खनन क्षेत्र में समर्पण और योगदान के साथ बालको के विश्वास का परिणाम है।

एस एस पी प्रशांत कुमार ठाकुर ने ली परेड की सलामी बोले अच्छा काम करेंगे तो पुलिसिंग होगी मजबूत

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाईन में जनरल परेड की सलामी ली। उन्होंने सर्वप्रथम पुलिस लाईन में आयोजित परेड़ का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारी व जवानों के वेश-भूषा का जायजा लिया। राजपत्रित अधिकारियों से परेड़ के कमाण्ड दिलवाए। निरीक्षण के दौरान जवानों के वेशभूषा को देखा और अच्छे वेशभूषा पर जवानों को पुरस्कृत किया। शासकीय वाहनों का जायजा लिया और आरक्षक चालकों को मेंटनेंश डे पर वाहनों में जरूरी मरम्मत कराने तथा रक्षित निरीक्षक को वाहन चालकों का आई टेस्ट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय वाहनों के फस्ट एड किट को देखा और गुणवत्ता युक्त दवाओं को रखने के निर्देश दिए ताकि आपात स्थित में वह काम आए। परेड़ के दौरान एक महिला आरक्षक को उत्कृष्ट कमाण्ड देकर परेड कराने पर उसे नगद पुरस्कार दिया।

परेड़ के उपरान्त डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के समस्याओं को जाना और उन समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु दिशा निर्देश भी दिया। इस दौरान उन्होंने जवानों को कहा कि आप में काम करने की क्षमता बहुत है दृढ़ इच्छा शक्ति और लगन के साथ कार्य करें आपको सफलता जरूर मिलेगी, जब हम सभी अच्छा काम करेंगे तो पुलिसिंग मजबूत होगा, अच्छे कार्यो से हममें ज्ञान के साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने प्रभारियों को कहा कि थाना के कार्यो को नियमित चेक करें इससे कार्य और बेहतर होती है।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कहा कि आधुनिकता के साथ अपडेट रहकर उसके अनुरूप सजग रहकर कार्य करें, थाना-चौकी में नियमित परेड कराए इससे अनुशासन बना रहता है साथ ही अधिकारी व जवान फिट रहते है, जनता की सेवा करने का सबसे अच्छा जरिया पुलिस की नौकरी है, बिना समस्या के कोई व्यक्ति थाना नहीं आता, गंभीरतापूर्वक उसकी पीड़ा को समझते हुए तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें, अच्छी वेशभूषा धारण कर ड्यूटी करें, आपराधिक मामले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि फरार आरोपी पुलिस की नजर से बचने नहीं चाहिए। थाने में पहुंचने वाले फरियादियों से बेहतर व्यवहार करने की कड़ी हिदायत दी। उन्होंने कहा कि थाना-चौकी के कार्यो का प्रतिदिन आंकलन करें कि सभी कार्य समय पर हो रहे है अथवा नहीं, जहां कमजोर स्थिति दिखाई दे वहां कसावट लाते हुए कार्य को शत-प्रतिशत पूरा कराए। बिना नंबर व बिना लाइसेंस सहित परिवहन व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करने निर्देशित किया। इस दौरान एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, एसडीओपी प्रतापपुर सौरई उईके, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी सहित विभिन्न थाना-चौकी व रक्षित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शनिवार 22 मार्च 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

शांति की संभावना कम

जब सऊदी अरब में अमेरिका और रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के वार्ता हुई थी, तो उस समय रूस ने साफ कहा था कि वह युद्धविराम नहीं, बल्कि शांति का संपूर्ण समझौता चाहता है, जिसमें उसके सुरक्षा हितों की गारंटी हो। अमेरिका ने यूक्रेन को युद्धविराम पर राजी करने के बाद कहा कि 'गेंद अब रूस के पाले में है'। यूरोपीय नेताओं ने भी सऊदी अरब में हुई अमेरिका-यूक्रेन वार्ता के नतीजों का स्वागत करते हुए यही बात दोहराई है। राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेन्स्की के युद्धविराम पर राजी होने से प्रसन्न डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन के लिए सैनिक मदद फिर शुरू कर दी है। बहरहाल, जेलेन्स्की के बदले ताजा रुख से सचमुच लड़ाई रुकने की संभावना कम ही है। इसलिए कि इसके पहले जब सऊदी अरब में ही अमेरिका और रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के वार्ता हुई थी, तो उस समय रूस ने साफ कहा था कि वह युद्धविराम नहीं, बल्कि शांति का संपूर्ण समझौता चाहता है, जिसमें उसके सुरक्षा हितों की गारंटी हो। इसका अर्थ है कि पहले उन कारणों को दूर करने पर सहमति बने, जिनकी वजह से युद्ध हुआ। इनमें नाटो में यूक्रेन की सदस्यता सर्व-प्रमुख है। रूस के नजरिए में सिर्फ युद्धविराम से यूक्रेन को हथियार जुटाने और अगली लड़ाई के लिए पुनर्संगठित होने का मौका मिलेगा, जिसे वह नहीं देना चाहता। ऐसी सूरत में लड़ाई रुकने की संभावना तभी बनेगी, अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप व्यक्तिगत रूप से 30 दिन के युद्धविराम के अंदर संपूर्ण शांति समझौता का भरोसा रूस को दिलाएं। उनके प्रशासन ने हथियारों की सप्लाई दोबारा शुरू कर यह काम ज्यादा कठिन बना दिया है। अमेरिका-यूक्रेन की वार्ता के बाद रूसी राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि प्रस्तावित संघर्ष-विराम उन्हें मंजूर है या नहीं, इस पर टिप्पणी करने से पहले उन्हें इस बारे में अमेरिका से जानकारी मिलना जरूरी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप के बीच फोन कॉल की संभावना पर उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर इसकी बहुत जल्द व्यवस्था की जा सकती है। यानी रूस को अपेक्षा है कि वार्ता के परिणामों की जानकारी खुद ट्रंप पुतिन को देंगे। इस बीच रूस ने कुरस्क क्षेत्र में यूक्रेनी बलों पर बड़ी सफलता पाई है। पुतिन वहां सैनिक परिधान पहन कर गए, जिसे भी रूस की ओर से दिए गए एक संदेश के रूप मे देखा गया है।

रचनात्मकता की नई परिकल्पना: भारत का वेव्स शिखर सम्मेलन किस प्रकार वैश्विक मनोरंजन को नया रूप देगा

चैतन्य प्रसाद

(भारतीय सूचना सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी)

प्रामाणिक कहानियों और रचनात्मक मनोरंजन की भूखी दुनिया में, भारत वैश्विक मीडिया परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। विश्व दृश्य-श्रव्य एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) महज मीडिया और मनोरंजन से जुड़ा एक हितधारक भर नहीं है - यह एक ऐसे परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है जो दुनिया भर में रचनाकारों, नीति-निर्माताओं और दर्शकों के कंटेंट के साथ जुड़ने के तौर-तरीके को नए सिरे से परिभाषित करेगा। आगामी 1-4 मई, 2025 को मुंबई में आयोजित होने वाला वेव्स, संभवत: सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा रचनाकारों के इकोसिस्टम के लिए शुरू की गई एक ऐसी बेहद दूरदर्शी पहल के रूप में उभर कर सामने आया है, जो मनोरंजन के वैश्विक मंचों के लिए एक नया स्वर्णिम मानक स्थापित करेगा। दशकों से भारत कहानी कहने की कला के क्षेत्र में एक महाशक्ति रहा है और अपनी फिल्मों, संगीत एवं डिजिटल कंटेंट के जरिए दुनिया को मंत्रमुग्ध करता रहा है। फिर भी, अपने विशुद्ध रचनात्मक सृजन के बावजूद, इस देश ने शायद ही कभी वैश्विक मनोरंजन उद्योग में भागीदारी की शर्तों को निर्धारित किया है। वेव्स उस कहानी को बदलना चाहता है। इसका नाता सिर्फ भारतीय रचनात्मकता को प्रदर्शित करने भर से नहीं है ङ्क इसका सरोकार मीडिया, मनोरंजन और प्रौद्योगिकी के इर्द-गिर्द होने वाली वैश्विक बातचीत को आकार देने से है। यदि दावोस आर्थिक नीति का केंद्र है और कान्स सिनेमा का मंदिर है, तो वेव्स का उद्देश्य नवाचार के सृजन और प्रमुख हितधारकों के सहयोग - 'कलात्मक प्रतिभा के संगम' - के जरिए मनोरंजन के भविष्य को परिभाषित करना है। वेव्स का वास्ता सिर्फ बड़े फ्लक वाली रणनीति से नहीं है ङ्क इसका संबंध रचनाकारों, व्यवसायों और निवेशकों के लिए वास्तविक अवसर उपलब्ध कराने से है। 'भारत पैवेलियन' भारत की कहानी कहने की विरासत का उत्सव मनाएगा। इसमें प्राचीन महाकाव्यों एवं लोककथाओं से लेकर एआई-संचालित कंटेंट और मोहित कर देने वाली डिजिटल कहानी कहने की कला तक के इसके विकास को दर्शाया जाएगा। इसके जरिए भारत द्वारा विश्व को बताया जा रहा है कि: हमारी कहानियां भले ही कालातीत हैं, लेकिन कहानी कहने की हमारी शैली अत्याधुनिक है। वहीं 'वेव्स बाज़ार', जो अपनी तरह का पहला सालोंभर खुला रहने वाला वैश्विक कंटेंट बाजार है, कंटेंट की खरीद, बिक्री और वितरण के तरीके को बदलने के लिए तैयार है। पारंपरिक समारोह-संचालित अधिग्रहण मॉडल से आगे बढ़ते हुए, यह डिजिटल-प्रथम प्लेटफॉर्म निरंतर वैश्विक लेनदेन को संभव बनाएगा। इससे भारत और अन्य देशों के रचनाकारों को हमेशा सक्रिय रहने वाले मुद्रीकरण इकोसिस्टम तक पहुंच हासिल होना यह सुनिश्चित होगा। हाल ही में ड्यून: पार्ट टू द्वारा भारत के महत्वपूर्ण वीएफएक्स योगदान के साथ सर्वश्रेष्ठ दृश्य प्रभाव के लिए 2025 का ऑस्कर जीतने जैसी सफलताओं, जो हमारी रचनात्मक क्षमता का उदाहरण है, को वेव्स वैश्विक मंच पर प्रदर्शित और पोषित करना चाहता है। लेकिन उद्योग जगत की सभी चर्चाओं से परे, जो चीज वेव्स को वास्तव में अलग बनाती है वह है इसका व्यापक दृष्टिकोण। यह एक बार का आयोजन नहीं है - यह भारत को मनोरंजन से जुड़े नवाचार के वैश्विक मुख्यालय के रूप में स्थापित करने की एक दीर्घकालिक रणनीति है। जैसे-जैसे वैश्विक मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग का आकार 2030 तक तीन ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का होने की ओर बढ़ रहा है, भारत एक आउटसोर्सिंग केन्द्र के रूप में नहीं बल्कि मनोरंजन के सृजन और उससे जुड़ी नीतिगत व निवेश के मामले में वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी देश के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है। इस शिखर सम्मेलन में कंटेंट के सृजन, वित्तपोषण, नीतिगत चर्चा और उभरती प्रौद्योगिकियों के मामले किया जाने वाला समन्वय इसे मनोरंजन के भविष्य का एक लॉन्चपैड बनाता है। शिखर सम्मेलन की महत्वाकांक्षा प्रतिभा को प्रदर्शित करने से आगे बढ़कर वैश्विक मीडिया संवाद के जरिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने तक फैली हुई है। इस कूटनीतिक पहल का उद्देश्य वास्तव में ऐसा वैश्विक इकोसिस्टम बनाना है जो भारत के नेतृत्व में विभिन्न देशों के रचनाकारों और उद्योग के हितधारकों को जोड़े। वैश्विक मीडिया संवाद ऐतिहासिक 'वेव्स घोषणा 2025' में परिणत होगा ङ्क जो वैश्विक मीडिया एवं मनोरंजन जगत के लिए एक ऐसा दूरदर्शी रोडमैप पेश करेगा जिससे मनोरंजन के एक स्थायी वैश्विक मंच की नींव रखा जाना संभव होगा। यह घोषणा मनोरंजन उद्योग की महत्वपूर्ण प्रवृत्तियों एवं चुनौतियों पर ध्यान देगी और एक ऐसे समावेशी ढांचे का प्रस्ताव करेगी, जो दुनिया भर के रचनाकारों को लाभान्वित करेगी। वेव्स की सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक है 'वेवएक्सेलरेटर'। यह एक स्टार्टअप इनक्यूबेटर है, जिसे खास तौर पर रचनात्मक उद्यमियों के लिए डिज़ाइन किया गया है। एआई द्वारा सृजित कंटेंट, संवादात्मक मीडिया और वर्चुअल प्रोडक्शन के उदय के साथ, व्यवस्थित मार्गदर्शन (मेंटरशिप), वित्तपोषण (फंडिंग) और बाजार की सुलभता (मार्केट एक्सेस) की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। 'वेवएक्सेलरेटर' यह सुनिश्चित करता है कि भारत न केवल कहानी कहने की अत्याधुनिक कला को बढ़ावा दे बल्कि ऐसे व्यवसाय भी खड़े करे जो अगले दशक के मनोरंजन को परिभाषित करेंगे। बौद्धिक संपदा संरक्षण के साथ निवेश की सुविधा को एकीकृत करके, भारत दुनिया को यह संकेत दे रहा है कि वह एक स्थायी रचनात्मक अर्थव्यवस्था बनाने के प्रति गंभीर है। वेव्स का एक प्रमुख आकर्षण प्रतिभा खोज और मार्गदर्शन पर इसका ध्यान केन्द्रित करना है। अपने 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज' के जरिए, इस शिखर सम्मेलन ने गेमिंग, कॉमिक्स, एनीमेशन, संगीत, ईस्पोर्ट्स और प्रसारण में 725 शीर्ष-स्तरीय रचनाकारों की पहचान की है। ये चयनित प्रतिभाएं 'क्रिएटोस्फेयर' में भाग लेंगी, जोकि लाइव प्रतियोगिताओं, मास्टरक्लास और सहयोगी परियोजनाओं से लैस एक संवादात्मक केन्द्र (इंटरैक्टिव हब) है और यह सुनिश्चित करता है कि मनोरंजन में सर्वश्रेष्ठ नई प्रतिभाएं भारत से उभरकर वैश्विक मंच पर अपनी चमक बिखेरें। प्रतिभा से जुड़ी यह व्यवस्थित पाइपलाइन न केवल एक कंटेंट हब, बल्कि प्रतिभा के क्षेत्र में एक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को रेखांकित करती है। इस शिखर सम्मेलन के 'थॉट लीडर ट्रैक' में मनोरंजन से संबंधित आज के कुछ सबसे बड़े सवालों पर विचार करने के लिए सीईओ, मीडिया अधिकारी, नीति निर्माता और अग्रणी रचनाकारों अग्रदूतों को एक साथ लाया जाएगा। इन सवालों में शामिल हैं: कहानी कहने की कला का भविष्य कैसा होगा? एआई कैसे कंटेंट सृजन को नया आकार देगा? कौन से नए मुद्रीकरण मॉडल स्ट्रीमिंग युग को परिभाषित करेंगे? हम रचनात्मकता को विनियमन के साथ कैसे संतुलित कर सकते हैं? ये सब केवल इस सम्मेलन में चर्चा की जाने वाली चिंताएं नहीं हैं - ये मनोरंजन के भविष्य को आकार देने वाली वास्तविक बहसें हैं और वेव्स इनके केंद्र में होगी। वेव्स के रणनीतिक उद्देश्य वैश्विक उद्योग की जरूरतों के साथ पूरी तरह से मेल खाते हैं: ,मनोरंजन के क्षेत्र की प्रगति को बढ़ावा देना, एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों एवं मोहित कर देने वाले अनुभवों के जरिए नवाचार को बढ़ावा देना, युवा प्रतिभाओं को सशक्त बनाना और भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय मीडिया पेशेवरों के बीच सार्थक सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना। इससे जुड़े लाभ इस शिखर सम्मेलन से कहीं आगे तक जाते हैं। वेव्स भारत को अपने रचनात्मक उद्योगों में पर्याप्त निवेश आकर्षित करने, वैश्विक मनोरंजन के शेत्र में अपने नेतृत्व को मजबूत करने, विश्वव्यापी रचनात्मक अर्थव्यवस्था में अपने योगदान को मजबूत करने और उद्योग की भविष्य की मांगों के लिए तैयार कुशल श्रमशक्ति विकसित करने की स्थिति में रखता है। कंटेंट सृजन एवं वित्तपोषण से लेकर गेमिंग, एनिमेशन, संगीत और आईपी विकास तक के विविध क्षेत्रों पर ध्यान केन्द्रित करके वेव्स तेजी से आपस में जुड़ती दुनिया में मीडिया एवं मनोरंजन से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों के पूरे फ्लक पर ध्यान देता है। 1 मई, 2025 की उल्टी गिनती शुरू होने के साथ ही दुनिया इस पर ध्यान दे रही है। वेव्स सिर्फ मीडिया से जुड़ा एक शिखर सम्मेलन भर नहीं है - यह एक आंदोलन है। एक ऐसा आंदोलन जहां रचनात्मकता एवं वाणिज्य का मेल होता है, परंपरा एवं प्रौद्योगिकी का संगम होता है और भारत अपनी शर्तों पर दुनिया से जुड़ता है। मनोरंजन उद्योग एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है और भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि जब अगला अध्याय लिखा जाए, तो वह सुनहरे अक्षरों में लिखा जाए तथा वेव्स उसके केन्द्र में हो।

आलेख

बिहार में एनडीए की राह आसान नहीं.....

अजीत द्विवेदी

इस साल अब सिर्फ बिहार में विधानसभा का चुनाव है। बिहार अब भी भारतीय जनता पार्टी के लिए अबूझ पहेली है। ऐसी पहेली, जिसे राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक सब सुलझाना चाहते हैं। लेकिन समझ में नहीं आता है कि इस चक्रव्यूह को कैसे तोड़ें। लोकसभा चुनाव में जो बिहार बड़ी आसानी से भाजपा के हाथ में आ जाता है वह विधानसभा चुनाव में कैसे हाथ से फिसल जाता है यह बड़ा सवाल है। ध्यान रहे बिहार में एनडीए 2009 से लेकर 2024 तक चार चुनावों से बड़ी जीत हासिल कर रहा है। इसमें 2014 का चुनाव भाजपा ने बिना नीतीश कुमार के लड़ा था और तब भी उसने बड़ी जीत हासिल की थी। बगैर नीतीश के भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 40 में से 32 सीटें जीती थीं। लेकिन 2015 के विधानसभा चुनाव में वही भाजपा और वही उसके सहयोगी सब फेल हो गए। पूरा एनडीए 59 सीटों पर सिमट गया। दोनों चुनावों का फर्क यह था कि 2014 में नीतीश अकेले लड़े थे तो 2015 में उन्होंने राजद और कांग्रेस से हाथ मिला लिया था। नीतीश ने 2014 के चुनाव से सबक लिया कि अकेले नहीं लड़ना है तो भाजपा ने 2015 के नतीजे से सबक लिया कि बिना नीतीश के नहीं लड़ना है। भाजपा को समझ में आ गया कि नीतीश के बिना 2014 में मिली जीत एक बार की जीत थी, जिसे दोहराया नहीं जा सकता है। तभी उसके बाद नीतीश ने पाला बदला तब भी भाजपा ने उनसे दूरी नहीं बनाई। उनको 43 सीट मिली तब भी उनको मुख्यमंत्री बनाया और राजद के साथ जाकर वापस लौटे तब भी उनको सीएम बनाया। 2024 के चुनाव में नीतीश को लगभग बराबर सीटें देकर समझौता किया, जिसका लाभ भाजपा को मिला। इस पृष्ठभूमि में जब 2025 के विधानसभा चुनाव को देखते हैं तो सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या नीतीश अब भी एनडीए की नाव पार लगा सकते हैं? इसके अलावा और भी कई सवाल हैं, जो नीतीश की पार्टी के भविष्य, चिराग पासवान के साथ नीतीश के संबंध और भाजपा व नीतीश के संबंधों से जुड़े हैं। सबसे पहले इस सवाल पर विचार की जरुरत है कि क्या नीतीश अब भी एनडीए को चुनाव जिताने में सक्षम हैं या उनकी वजह से एनडीए के लिए रास्ता मुश्किल हो गया है? बिहार में नीतीश कुमार का चेहरा अब भी एनडीए की सबसे बड़ी पूंजी है। लेकिन उस पूंजी का लगातार क्षरण हो रहा है। इसका मुख्य कारण नीतीश स्वंय हैं। उनकी सेहत को लेकर लगातार आ रही खबरें और सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनके आचरण से उनके नेतृत्व करने की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। बिहार के राजनीतिक रूप से सजग मतदाता यह देख रहे हैं कि पिछले 20 साल से बिहार का राजकाज चला रहे नीतीश अब शारीरिक और मानसिक रूप से थके हुए हैं, पहले की तरह सक्षम नहीं हैं और इसका असर सरकार के कामकाज पर पड़ रहा है। उनके बारे में बन रही इस धारणा ने बिहार के मतदाताओं को विकल्प पर विचार करने के लिए बाध्य किया है। ध्यान रहे इससे पहले बिहार के लोग विकल्प के बारे में सोचते भी नहीं थे। व्यापक मतदाता समूह नीतीश को मुख्यमंत्री बनाने के लिए आंख बंद करके वोट डालता था। लेकिन नीतीश की नेतृत्व और प्रशासन संभालने की क्षमता सवालों के घेरे में है। नीतीश खुद इस बात से परिचित हैं और इसलिए वे चाहते थे कि समय से पहले चुनाव हो जाए। पिछले साल जनवरी में भाजपा के साथ वापस लौटने के बाद से वे लगातार विधानसभा चुनाव कराने के लिए दबाव बना रहे थे। लेकिन भाजपा इसे टालती रही है क्योंकि वह नीतीश के साथ शह मात का खेल खेल रही है। भाजपा को लग रहा है कि नीतीश कुमार अभी तक मोलभाव करने की स्थिति में हैं और अगर अभी चुनाव होता है तो उनकी पार्टी को ज्यादा सीटें देनी होंगी। अगर नीतीश की मानसिक व शारीरिक स्थिति और बिगड़ती है तो फिर उनकी पार्टी मोलभाव की स्थिति में नहीं रह जाएगी। यह भाजपा का दूर का दांव है, जो वह अपना मुख्यमंत्री बनाने की सोच में चल रही है।

जैन दर्शन के प्रथम तीर्थंकर 1008 आदिनाथ (ऋषभ देव) भगवान

आज 23 मार्च को पूरा भारत की जैन समाज,जैन दर्शन के प्रथम तीर्थंकर 1008 आदिनाथ(ऋषभ देव)भगवान की जन्म एवं तप जयंती/कल्याणक 23 मार्च को बड़े धूमधाम से मना रहा है, जैन दर्शनुसार 14 वें कुलकर (मनु) नाभिराय के समय भोगभूमि के अवसान एवं कर्मभूमि के प्रारंभ काल में मनुष्य प्रकृति की गोद में निर्विघ्न विचरण करता था था,ये प्रकृति पुत्र, प्रकृति की गोद में, पाप पुण्य धर्म अधर्म के बोध एवं भेद से दूर फ्लते फूलते रहते थे, राज्य,नगर,समाज, जाति और वर्ण व्यवस्था नहीं थी, आवश्यकताएं अत्यंत सीमित थी और साधन असीमित थे, शोषण एवं द्वंद्व नहीं था,जो भी इच्छा करते मिल जाता था कर्म जीवन से दूर था, अत: इस युग को भोगयुग की उपमा दी गई थी, समयानुसार अब इसका अंत निकट आ चुका था कर्म प्रधान युग आरंभ होने को था,अब प्रकृति में तेजी से परिवर्तन होने लगा था।

जैन दर्शन के अनुसार कुल 14 कुलकर (मनु) हुए हैं इनमें 13 वें कुलकर प्रसेनजीत के पुत्र नाभिराय थे, कुलकर (मनु) की संतान को मानव या मनुष्य कहा जाने लगा। नाभिराय भरत भूमि क्षेत्र विजयार्ध पर्वत क्षेत्र से दक्षिण की ओर मध्यम आर्य खंड में उत्पन्न हुए थे वे विश्व भर के क्षत्रियों में सर्वश्रेष्ठ थे चूंकि वे भोग भूमि एवं कर्म भूमि के संधिकाल में उत्पन्न हुए थे उस समय भरत क्षेत्र में कल्पवृक्ष रुप प्रसाद नष्ट हो रहे थे केवल एक ही कल्पवृक्ष प्रसाद बचा था वह थे स्वम नाभिराय का उन्होंने अपने विवेक एवं पुरुषार्थ से नए युग का प्रवर्तन किया था सृष्टि के कर्मयुग के प्रारंभ और भोग युग के अंत में नाभिराय ने एक नए युग को जन्म दिया अत: वे युगप्रवर्तक माने गए और उनके नाम पर आर्यखंड को नाभिखंड भी कहा जाने लगा। काल तीव्र गति से भाग रहा था, पृथ्वी पर भोगभूमि के विप्लुप्त होने के बाद कर्मभूमि की प्रसव वेदना शुरू हो चुकी थी पृथ्वी पर नित नए नए परिवर्तन हो रहे थे,पृथ्वी की उर्वराशक्ति नए नए अंकुरो को जन्म देने लगी पृथ्वी पर नाना किस्म के बैगर बोए धान्य ऊंगने लगे थे, पर इनका उपयोग कोई नहीं जानता था,चूंकि कल्पवृक्ष से हर समस्या का समाधान होता था वे नष्टप्राय: हो चुके थे अत: प्रजा के सामने भीषण उदरपोषण की समस्याएं थीं तब प्रमुख लोगों ने प्रजा की परेशानी उनके सामने रखी एवं जीवनौपाय पूछा तब नाभि राय ने उन्हें फ्लों से झुके पड़ रहे वृक्षों का महत्व बतलाया, गीली मिट्टी से थाली आदि पात्र बनाने की शिक्षा दी।

चूंकि नाभिराय देव द्वारा बनाई गई नगरी जिससे कोई शत्रु युद्ध न कर सके वैसी नगरी अयोध्या के राजा थे,उन नाभिराय एवं मरुदेवी के पुण्य प्रताप से उनके यहां, ऋषभनाथ (आदिनाथ) ने जन्म लिया, यौवन अवस्था आने पर इनका विवाह कच्छ- महाकच्छ की बहनों यशस्वती और सुनंदा से कर दिया कालांतर में दोनों रानियों से 100 पुत्र उत्पन्न हुए इनमें भरत ज्येष्ठ पुत्र सहित भगवान बाहुबली बहिन ब्राम्ही एवं सुनंदा आदि थे।

लिपि विद्या,अंक विद्या सहित अन्य विद्याओ का ज्ञान

युवराज ऋषभ देव द्वारा पुत्री ब्राम्ही को लिपि विद्या अर्थात वर्णमाला सिखाई एवं पुत्री सुंदरी को अंक विद्या अर्थात संख्या लिखना सिखलाया एवं तब भगवान ने पुत्र भरत को अलंकार शास्त्र,छंद शास्त्र, व्याकरण शास्त्र, अर्थशास्त्र, नृत्यशास्त्र,गंधर्व शास्त्र,चित्रकला,स्थापत्य कला एवं पुत्र बाहुबली को कामशास्त्र, सामुद्रिक शास्त्र, आर्युवेद, धनुर्विद्या, अश्वविद्या, गजबिद्या, रत्न परीक्षा आदि शास्त्रों में निपुण किया इसके अतिरिक्त अन्य पुत्रों को भी विविध कलाओं एवं विद्याओं की शिक्षा दी एवं उन्हें प्रवर्तित भोग युग से कर्म युग की ओर जनमानस को तैयार करने के लिए श्रम पुरुषार्थ एवं समय देने के लिए प्रयुक्त किया आदिनाथ के परिवार के ज्ञान से ही कर्म युग प्रारंभ हो सका।

वर्ण व्यवस्था

दिगम्बर परंपरा अनुसार कर्म भूमि के प्रारंभ में भगवान 1008 ऋषभ देव द्वारा प्रजा को असि, मसी, कृषि, विद्या, वाणिज्य, शिल्प का उपदेश देकर प्रजा को कर्म की प्रथम शिक्षा दी । भगवान ने उक्त 6 कर्मों के अनुसार क्षत्री वैश्य एवं शुद्र तीन वर्णों का विभाजन कर्म एवं व्यवसाय के आधार पर स्थापित करते हुए यह व्यवस्था दी कि समस्त मनुष्य जाति को अपनी अपनी योग्यतानुसार कार्य और व्यवसाय मिल सके एवं सभी उन कर्मों के आधार पर अपना जीवकोपार्जन कर सकें ।

लोक व्यवस्था

भगवान ऋषभदेव ने चल रही कबीलों की व्यवस्था को नगरीय व्यवस्था प्रदान करते हुए ग्राम, नगर,खेट,खर्वट,मंडमव, पत्तन, द्रोणमुख ,संवाह आदि की रचना प्रारंभ की, चूंकि प्रकृति परिवर्तन से भोगभूमि का अंत हो चुका था उस काल के महाऔषधि, दीसोंऔषधि वृक्ष शक्ति हीन हो चुके थे उपलब्ध दस कल्पवृक्षों का क्षय हो चुका था मनुष्य जाति की जीवन संबंधी, आवश्यकताएं की पूर्ति बड़ा प्रश्न बनने लगा था,चूंकि इस युग में लोग छुट पुट रूप में वनों में रहा करते थे,सब कुछ उन्हें फ्लों के वृक्षों से प्राप्त होता था,परन्तु ऋतु परिवर्तन के चलते फ्लदार वृक्षों की संख्या भी कम होने लगी थी अत: वृक्षों के आसपास पुरुष स्त्रियों परिकर बना लोग रहने लगे थे यह आदिम कबीलाई व्यवस्था बनी, जिसे मनुष्य की आवश्यकता ने ही बना दिया था चूंकि कर्म भूमि का प्रारंभ हो चुका था, मनुष्य कच्चा अन्न खाते थे, उससे उन्हें अनेक किस्म के रोग होने लगे थे शीत,आताप, वायु महावायु अपना रौद्र रूप दिखलाने लगी थीं, अब फ्लदार वृक्षों की संख्या भी अल्पता भी शुरू हो गई थी लोग वृक्षों के लिए सीमांकन कर कबीलों के रूप में रहने लगे थे। तब भगवान ऋषभ देव ने इंद्र की सहायता से ग्राम, नगर, खेट,खर्वट,मंडमव, पत्तन, द्रोणमुख ,संवाह आदि की रचना की, जिसमें घरों में चारों तरफ बाड़ हो,बगीचे व तलाब हो अधिकतर किसान एवं शुद्र रहते हो वह गांव कहलाता था,छोटा गांव 100 घर सीमा 1 कोस,बड़ा गांव 500 घर सीमा 2 कोस नदी पहाड़ श्मशान गुफा पुल से सीमा का निर्धारण होता था। 10 गांव में मंडी होती थी जहां सोने चांदी की खान होती थी वह आकर कहलाता था,चूंकि इंद्र द्वारा भगवान की आज्ञा से इन इधर उधर बिखरे लोगों को गांवों में लाकर बसाया था इनकी संरचना में इंद्र का अदभुद योगदान था अत: उसे पुरंदर भी कहा जाने लगा । वृक्षों के निकट आवास छोड़कर मनुष्य पहली बार अपने आवास भवन में रहने लगा यह काल वन्य जीवन की समाप्ति एवं नागरिक सभ्यता का प्रारंभ था, जहां गोपुर अटारी, कोट युक्त अनेक भवन बने हो यहां का प्रधान पुरुष हों,पुर या नगर कहलाता था। तब भगवान 1008 ऋषभ देव ने विचार करके सहयोगी इंद्र की सहायता जनपदों की भी रचना की एवं सुकौशल,अवंतिका, कुरु,काशी, कश्मीर, पंचाल, कच्छ, मगध, विदर्भ, महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, कोंकण,आंध्र, कौशल, केरल,कर्णाट, विदेह,सिंधु, जैसे 52 जनपदों की रचना की इन जनपदों को नगर,ग्राम में विभाजित करते हुए परिभाषा निश्चित की। आदिब्रह्मा ऋषभ देव ने इसकी रचना करवाई थी इन्हें कृतयुग कहा गया इस कृतयुग का प्रारंभ आषाढ़ कृष्णा प्रतिपदा को हुआ था तब से ही ऋषभ देव को ब्रह्मा, प्रजापति आदि नामो से पुकारा जाने लगा ।

राजा ऋषभ देव

तत्पश्चात भगवान ऋषभ देव ने विवाह, दंड,राज्य व्यवस्था सहित अनेक व्यवस्थाओं स्थापित करवा कर पूर्ण कर्मभूमि की रचना कर कुलकर व्यवस्था (भोग व्यवस्था) को समाप्त कर कर्म व्यवस्था का प्रारंभ किया ।

राजा ऋषभ देव को वैराग्य

राजा ऋषभ देव सिंहासन पर विराजमान थे नर्तकी नीलांजना का नृत्य चल रहा था कि एकाएक उसकी काया परिवर्तित हो गई इंद्र ने अपनी माया से तत्काल दूसरी नर्तकी उसके स्थान पर नर्तकी बना कर नृत्य हेतु प्रयुक्त कर दी पर देवाधिदेव को यह परिवर्तन संज्ञान में आ गया तत्काल उन्हें इस देह की नश्वरता का स्मरण हुआ और वैराग्य उत्पन्न हुआ कि अविनश्वर आत्मा चिरतन,अविनाशी सुख के लिए प्रयत्न करना होगा, आत्मा वह नहीं जो बाहर से दिख रही है, आत्मा अखंड सुख का पिंड है ज्ञान दर्शन वीर्य की अनंत विभूतियों का स्वामी है,मेरी आत्मा अक्षय लक्ष्मी का भंडार है अनंत गुणों का भंडार है ये सारे वैभव क्षणिक है इस राज्य भोग को धिक्कार,यह चंचला लक्ष्मी को धिक्कार

होते ही उन्होंने अपना राज्यपाट पुत्रों में बांट दिया। ऋषभ देव में ऐसी निर्वेद भावनाएं जन्म ले चुकी थीं उन्होंने संकल्प लिया कि अब संसार से मुक्ति का प्रयास करना है,भगवान की अंत:करण की सारी भावनाएं जान कर देवों ने तप कल्याणक की पूजा करने के लिए प्रयुक्त हुए ।

अब ऋषभ देव ने अनादि काल से चले आ रहे काल को धर्मामृत की वर्षा के लिए उपयुक्त मानते हुए कर्म शत्रुओं पर संहार कर मोक्ष मार्ग पर बढ़ चले वे सिद्धारक वन में पहुंच कर चंद्रकांत मणि की चट्टान पर बैठ कर अंतरंग बहिरंग दोनों प्रकार के परिग्रह का त्याग किया ओम नम: सिद्धेभ्या कह कर केशलुचंन किया, इस प्रकार भगवान ने चैत्र कृष्ण नवमी के सायंकाल के समय उत्तराषाढ़ नक्षत्र में दीक्षा धारण कर ली,दीक्षा लेते ही भगवान को मन:पर्याय ज्ञान की प्राप्ति हो गई भगवान ने जिस स्थान पर दीक्षा ली वह प्रयाग नाम से प्रसिद्ध हुआ,मुनि अवस्था में भगवान ने कठोर साधना का अवलंबन लिया वे 28 मूल गुणों का पालन करते थे, (दिगम्बर जैन साधु इन्हीं 28 मूल गुणों का पालन करते हे) भगवान ने 6 माह निराहार अनशन तप का पालन किया भगवान ने 6 माह तक एक ही स्थान पर रहकर कठोर ध्यानरत तप किया, तत्पश्चात वे निराहार 6 माह तक चलते हुए हस्तिनापुर पहुंचे वहां राजा श्रेयांस ने

राजा सोमप्रभ एवं रानी लक्ष्मीमति के साथ नवधाभक्ति पूर्वक ईक्षु रस (गन्ने के रस) का आहार दिया। भगवान ने इस प्रकार मुनि अवस्था में 1000 वर्षों तक अनेक देशों में बिहार करने के पश्चात भगवान ने वट वृक्ष के नीचे पद्मासन लगा कर मोहनीय कर्मों को नष्ट करते हुए फाल्गुन कृष्ण एकादशी को उत्तराषाढ़ नक्षत्र में केवल ज्ञान प्राप्त किया।

भगवान को केवल ज्ञान प्राप्त होते ही देवों ने समवशरण की रचना की जिसमें स्वयं भगवान त्रिलोकीनाथ पूर्व दिशा की ओर मुख कर विराजमान हुए परन्तु चारों तरफ से भगवान कुछ इस तरह दिख रहे थे मानो उनका मुख सामने ही हो समस्त जाति के देव भगवान का ज्ञान कल्याणक मनाने आए । भगवान ने संपूर्ण देश में धर्म विहार किया जब आयु के 14 दिन शेष रह गए तब उन्होंने कैलाश पर्वत पर पहुंच कर माघ कृष्णा की चतुर्दशी के दिन अभिजीत नक्षत्र के दिन योग निरोध कर पूर्व दिशा की ओर पर्यकाशन में ध्यानरूढ़ हो गए एवं चौथे शुक्ल ध्यान के द्वारा शेष कर्मों का नाश करके वे सिद्धत्व पर्याय को प्राप्त हो कर लोक के अग्र भाग पर विराजित हो गए वे निर्मल निष्कलंक शुद्ध आत्मा रूप में स्थित हो कर जन्म मरण रहित हो गए सिद्ध परमात्मा हो गए । तीर्थंकर भगवान ऋषभ देव का नर्वाण कैलाश याकि आष्टापद पर्वत से हुआ है आष्टापद सिद्ध क्षेत्र हैं यहां पर अनेक मुनियों ने नर्वाण प्राप्त किया हैं ।

प्रेषक :- संजय चौधरी

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर, शनिवार 22 मार्च 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कुण्डलपुर में आज आचार्य श्री समयसागर जी महाराज ससंघ का मंगल पदार्पण, आचार्य संघ की होगी भव्य मंगल अगवानी

कुंडलपुर दमोह (विश्व परिवार)। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में महा समाधि धारक संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य विद्या शिरोमणि प.पू.आचार्य श्री समय सागर जी महाराज ससंघ का मंगल पदार्पण 22 मार्च को दोपहर 4:00 होने जा रहा है। इस अवसर पर आचार्य संघ की भव्य अगवानी हेतु भारतवर्ष श्रावक श्रेष्ठी जन, बुंदेलखंड के श्रावकगण, समस्त दमोह जिला समाज, कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी, बड़ी संख्या में महिला मंडल, पाठशाला परिवार, टीकमगढ़ दिव्य घोष, गंजबासौदा दिव्य घोष, मुड़िया बैंड पार्टी, सर्वोदय बालिका लेझिम पार्टी हटा, कुंडलपुर पटेरा हटा दमोह पथरिया आदि दिव्यघोष, हाथी, घोड़ा, ध्वजवाहक ध्वजपताका लेकर युवा वर्ग, कलश लेकर महिला मंडल, ब्रह्मचारी भैया दीदी जी, हथकरघा, पूर्णायु के भैया, श्वेत वस्त्रधारी पुरुष वर्ग, कुंडलपुर, कुम्हारी, पटेरा, हटा, दमोह, पथरिया, अभाना, नोहटा, जबेरा, तेंदूखेड़ा तेजगढ़, बटियागढ़, बांदकपुर, गैसाबाद, मडियादो, सादपुर, रजपुरा, बरौदा आदि समाज सम्मिलित रहेगी। अगवानी प्रभारी पदमचंद खलीवाले मंत्री कुंडलपुर ने बताया कोटा ग्राम से ही आचार्य संघ की अगवानी प्रारंभ होगी। कुंडलपुर से 3 किलोमीटर पहले ही कटनी रोड पर सभी मंडल अगवानी करेंगे। कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी ने श्रद्धालु भक्तों से कुंडलपुर पधारकर भव्य अगवानी के साक्षीबनकर पुण्यार्जन करने का अनुरोध किया है।

ग्राम पवा चलो...भगवान आदिनाथ स्वामी के जन्म एवं तप कल्याणक पर भव्य रथयात्रा 23 मार्च को

ललितपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्र संत आचार्य प्रवर श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज का प्रथम स्मृति दिवस महा महोत्सव वर्ष में 6 फरवरी से जैन मंदिरों में निरंतर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किये जा रहे हैं। अहिंसा सेवा संगठन के संस्थापक विशाल जैन पवा ने बताया ग्राम पवा की पावन धरा पर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर षट कर्म प्रणेता चैतन्य चमत्कारी मूलनायक भगवान आदिनाथ स्वामी का जन्म एवं तप कल्याणक महा महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसके अंतर्गत पं. विनोद कुमार शास्त्री बबीना के निर्देशन में 22 मार्च को प्रातः नित्य मय अभिषेक शांतिधारा पूजन के बाद भक्तामर महामंडल विधान एवं अखंड पाठ का शुभारम्भ 23 मार्च को सुबह पाठ का समापन विश्व शांति महायज्ञ, हवन एवं दोपहर में भव्य रथयात्रा के बाद कलशाभिषेक फूलमाल महाआरती एवं पालना झूला का आयोजन किया जायेगा। जिसमें श्री प्रदीप कुमार जी जैन दैनिक विश्व परिवार झाँसी-रायपुर, श्री सिंघई राजेश कुमार जैन चंद्र वस्त्रालय ललितपुर को ध्वजारोहण एवं श्री राजेंद्र कुमार जी सुभाष चंद्र जी जैन विदिशा, श्री कैलाश चंद्र जैन ललित रेडियो ललितपुर, श्री सिंघई दीपक कुमार जी जैन काका बस सर्विस ललितपुर को दीप प्रज्वलन का सौभाग्य प्राप्त होगा। श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र पावागिरि प्रबंध समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज पवा ने कार्यक्रम में पहुंचकर भव्यता प्रदान करते हुए आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। उत्तमचंद्र, राजकुमार, आनंद जैन, राकेश मोदी, रमेशचंद्र, विजय कुमार, सुशील मोदी, प्रदीप एड, विकास जैन, संदीप कुमार, जितेन्द्र सिंघई, सनमत, सौरभ, विनम्र, अक्षत, शुभम आदि तैयारियों में जुटे हैं।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की 'बड़ौदा... पेज 8 का शेष

बड़ौदा एमडिजिनेक्स्ट मोबाइल ऐप में उपलब्ध कराई जा रही विशिष्टताएँऔर सुविधाएं निम्नानुसार हैं- वन-टू-वन लेनदेन और ऑथोराइजेशन। बल्क अपलोड को अधिकृत करना और अस्वीकृत करना। एंड-टू-एंड लेनदेन और वर्कफ्लो ट्रैकिंग। लेन-देन की स्थिति के बारे में रियल टाइम में पूछताछ करना। लघु विवरणी और खाता सारांशका एक्सेस। समूह की सभी इकाइयों का समेकित डैशबोर्ड। ओटीपी सत्यापन और 3-फैक्टर प्रमाणीकरण के साथ बेहतर सुरक्षा। बड़ौदा एमडिजिनेक्स्ट मोबाइल ऐप फिलहाल एंड्रॉयड पर उपलब्ध है और जल्द ही इसे आईओएस पर भी उपलब्ध कराया जाएगा।

मधेश्वर महादेव का दर्शन कर लें जीवन धन्य हो जाएगा : पंडित प्रदीप मिश्रा

मयाली में शिव महापुराण कथा का रसपान कर रहें श्रद्धालुओं

विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के तौर पर मान्यता प्राप्त मधेश्वर महादेव

जशपुरनगर (विश्व परिवार)। जिले के हर हर महादेव से गूंजता पूरा स्थल, शिव भक्ति से डूबे श्रद्धालुगण, यहां का भक्तिमय वातावरण सचमुच चकित करने वाला था। शिव महापुराण कथा का वाचन कर रहे पंडित प्रदीप मिश्रा के श्रीमुख से हो रहे भगवान शिव की दिव्य कथा ने भक्ति का ऐसा रस घोला की शिवभक्त झूमते नजर आए। आज शिव महापुराण कथा के पहले दिन पंडित प्रदीप मिश्रा ने अपने प्रवचन में कहा कि जो कोई कैलाश मानसरोवर का यात्रा नहीं कर पाता वो मधेश्वर महादेव का दर्शन कर ले, जीवन धन्य हो जाएगा। भारत भूमि पर और सनातन धर्म में जन्म लेना सौभाग्य की बात है। महाराज ने देवराज ब्राह्मण के जीवन से जुड़े कथा को सुनाकर सार्थक कर्म कर जीवन जीने का संदेश भी दिया

बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तगण- कुनकुरी विकासखंड में विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के तौर पर मान्यता प्राप्त मधेश्वर महादेव के समीप हो रहे शिव महापुराण कथा को सुनने छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रदेशों से बड़ी संख्या में भक्तगण यहां पहुंचे हैं। 27 मार्च तक चलने वाली इस कथा में श्रद्धालुगण दिव्य अनुभव प्राप्त करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय सहित उनके परिवार के अन्य सदस्य भी आज शिव महापुराण कथा का रसपान किया।

श्रद्धालुओं के लिए बस की सुविधा- जशपुर जिला प्रशासन ने भी श्रदालुओं की सुविधा के लिए पूरे इंतजाम किए हैं। कार्यक्रम स्थल में मंच, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पंडाल, भोजन, पेयजल, पार्किंग, अस्थाई शौचालय, साफ-सफाई, सुरक्षा, रूट चार्ट, मेडिकल सहित अन्य व्यवस्था किया गया है। इसके साथ ही जिले के कोने कोने से 40 बसें श्रद्धालुओं को लाने ले जाने के लिए स्पेशल परमिट जारी किया गया है। -**जीतेंद्र सिंह**

श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर का महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव-मूक पशु पक्षियों की जीव दया

25 मार्च से घुमन्तु पशुओं के लिए हरी सब्जियों व चारा वितरण पखवाड़े का शुभारंभ

पक्षियों के लिए , आधुनिक दाना पानी फ़ीडर का वितरण 23 मार्च से

रायपुर (विश्व परिवार)। खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणि प्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व चमत्कारी श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में भगवान महावीर स्वामी का 2624 वाँ जन्मकल्याणक महोत्सव 23 मार्च से 10 अप्रेल तक मनाया जावेगा। जिसमें जीव दया के प्रकल्प होंगे। श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि मूक पक्षियों के लिए आधुनिक दाना फ़ीडर व पानी फ़ीडर व प्लास्टिक सकोरे का वितरण किया जावेगा। जिसे घर की छत पर या बाल्कनी में आसानी से रखा व टांगा जा सकता है और स्वच्छता के साथ पक्षियों के दाना पानी दिया जा सकता है। ट्रस्टी नीलेश गोलेछा व टीकम जैन ने बताया कि 25 मार्च से सार्वजनिक पशु आहार गौशाला में घुमन्तु पशुओं के लिए हरी सब्जियां व चारा वितरण पखवाड़े का आरम्भ किया जावेगा। यहाँ पर आसपास क्षेत्र के सैकड़ों घुमन्तु पशु प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक स्वतः आते हैं व उनके लिए प्रतिदिन चारे की व्यवस्था रखी जाती है। अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के अवसर पर पक्षियों के लिए नवीनतम दाना फ़ीडर का वितरण किया जावेगा। ट्रस्ट के अमर बरलोटा ने बताया कि महावीर जन्मकल्याणक के अवसर पर प्रथम चरण में 100 नग दाना फ़ीडर गुजरात से मँगाए गए हैं। ये आकर्षक व सुविधाजनक हैं, जिसका स्वच्छता के साथ उपयोग किया जा सकता है तथा इसमें रखे दाने खराब भी नही होंगे। इसके साथ में पानी रखने के लिए वॉटर फ़ीडर व प्लास्टिक के सकोरे वितरित किए जावेंगे। जिन्हें छत पर, बाल्कनी में या गार्डन में रखा जा सकता है। ट्रस्टी राजेश सिंघी व डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि 5 अप्रेल को भैरव सोसायटी व आसपास की कॉलोनी में घरों के सामने रखने हेतु कोटना लगाने रहवासियों को प्रेरित किया जावेगा, जिससे घरों में बचने वाली खाद्य सामग्री का उपयोग हो सके व गर्मियों में गाय, सांड़, कुत्तों के लिए पीने का पानी सुलभ हो सके।

केवीसी हाट सीट पर पहुंच मयूर जैन ने अभिताभ बच्चन को आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी द्वारा लिखित ग्रन्थ की प्रति भेंट की

विदिशा (विश्व परिवार)। कौन बनेगा करोड़पति की हांट सीट पर विदिशा नगर के इंजी. मयूर जैन एवं सौ. साक्षी जैन ने अमिताभ बच्चन के फेमस टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट पर पहुंचकर 11वें प्रश्न तक पहुंच कर आचार्य गुरुदेव विशुद्ध सागर महाराज द्वारा लिखित ग्रंथ सत्यार्थ बोध को भेंट किया जिसे अभिताभ बच्चन ने स्वीकार करते हुये अपने मस्तक पर लगाते हुये आचार्य श्री का आशीर्वाद के रूप में ग्रहण किया उनके साथ पिता जय कुमार जैन तथा मां संगीता जैन ने भी बच्चन जी से मुलाकात कर अपने आपको सौभाग्यशाली बताया। श्री सकल दि. जैन समाज के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया इंजि.मयूर जैन एवं उनकी धर्म पत्नी साक्षी जैन आचार्य विशुद्ध सागर महाराज एवं सभी जैन संतो के प्रति विशेष लगाव रखते हुये अपने गृहस्थ जीवन का पालन कर रहे है। जब उनको के बी सी टीम का आमंत्रण प्राप्त हुआ तो सबसे पहले अपने गुरु जो कि उस समय मुंबई में विराजमान थे राष्ट्रसंत आचार्य विशुद्ध सागर महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे और आचार्य श्री द्वारा लिखित ग्रंथ सत्यार्थ बोध और विचार की प्रतिलिपि को ग्रहण किया तथा के बी सी के सेट पर अमिता भबच्चन को भेंट किया। -**अविनाश जैन**

अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर नगर निगम भिलाई में पेड़ों को संरक्षित करने का संकल्प लिया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में 150 से अधिक उद्यान है, जिसमें कुछ उद्यान ऐसे हैं जहां पर पुराने पेड़ जो पहले के लगे हुए हैं। उन्हें संरक्षित करके उद्यानों को बनाया गया है, ऐसे जगहो पर नए पेड़ भी लगाए जा रहे हैं। आज अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू को लेकर के विभिन्न उद्यानों का निरीक्षण किए। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जो पुराने पेड़ है, उनमें कई जगहों पर दीमक लग रहा था। उन सभी पेड़ों पर नीला थोथा एवं चूना मिलाकर के पुताई करवाया जा रहा है। जिससे पेड़ों में दीमक ना लगे दीमक बड़े से बड़े पेड़ो को खाकर सूखा देते है। इसके साथ ही निगम का यह प्रयास है कि पेड़ों को अधिक से अधिक बचाया जाए। प्रतिवर्ष पेड़ लगाये जा रहे है, उन्हे संरक्षण भी प्रदान किया जा रहा है।

महापौर परिषद द्वारा शहर के विकास के लिए विभिन्न कार्यो को स्वीकृति प्रदान की गई

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में ली गई। बैठक में विभिन्न एजेण्डा को विस्तृत चर्चा हेतु विचारार्थ रखा गया था। लोगो के हितो को देखते हुए परिषद द्वारा निम्नलिखत कार्यो की स्वीकृति प्रदान की गई।

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत जोन 01 नेहरू नगर अंतर्गत भिलाई नगर रेल्वे स्टेशन के सुपेला अंडरब्रिज तक रेल्वे लाईन के समानांतर निर्माण, बॉक्स कल्वर्ट एवं विद्युतिकरण कार्य, भिलाई नगर रेल्वे स्टेशन से नेहरू नगर अंडरब्रिज तक रेल्वे लाईन के समानांतर एवं शहरी गौठान के पश्चिम में मार्ग निर्माण एवं विद्युतिकरण कार्य, नेहरू नगर अंतर्गत 66 एवं 77 एम.एल.डी. डब्लू.टी.पी. के वेस्ट वाटर से तालाब भरने हेतु खम्हरिया माईनर नहर का आर.सी.सी.कव्हर सहित लाईनिंग कार्य, कोसानगर रेल्वे स्टेशन शहरी गौठान के पश्चिम में नाला चैनलाईजेशन कार्य, वार्ड क्रं. 60 सेक्टर 05 सड़क 32 से सड़क 37 एवं एस.पी.ए. की नाली निर्माण कार्य, जोन 03 अंतर्गत वार्ड 56 भिलाई स्कूल ग्राउण्ड मैदान में ओपन जिम एवं 15 बी के समीप बैडमिंटन कोर्ट निर्माण कार्य का स्थल परिवर्तन कर वार्ड 56 में सड़क 15 एवं 15 ए के मध्य में निर्माण कार्य। पूर्व में महापौर परिषद के अनुमति के प्रत्याशा में प्रस्तावित खेल परिसर पर बिन्दुवार चर्चा हुई। उक्त स्थल का ड्राईग, डिजाईन एवं खिलाड़ियो को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, कार्यपालन अभियंता अखिलेश चंद्राकर, उपअभियंता बसंत साहू द्वारा विस्तृत रूप से बताया गया। जिसमें महापौर पाल, एमआईसी के सदस्यगणों एवं आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में खेल परिसर में विभिन्न खेलो के लिए कार्ययोजना का विस्तृत व्याख्या किया गया।

कलेक्टर ने आयुक्त के साथ ट्रेंचिंग ग्राउंड जाकर कचरे के वैज्ञानिक निपटान की प्रक्रिया एवं निगम की तैयारियों का किया निरीक्षण

लेगेसी वेस्ट का होगा जल्द निपटान

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत पोटिया स्थित टेंचिंग ग्राउण्ड में 80 प्रतिशत कचरो का निष्पादन किया जा चुका है। निष्पादित क्षेत्र में नगर निगम दुर्ग द्वारा वृहद वृक्षारोपण किया गया है, जो कि आने वाले वर्षों में ऑक्सीजोन के रूप में विकसित होगा। ट्रेंचिंग ग्राउंड स्थित शेष कचरो के निष्पादन की कार्ययोजना नगर निगम द्वारा तैयार की गई है। जिसके तहत् लगभग 1.50 करोड़ रूपये की लागत से ट्रेंचिंग ग्राउंड के कोने पर ट्रॉमेल मशीन स्थापित कर वैज्ञानिक पद्धति से कचरे का निष्पादन किया जाना प्रस्तावित है।

नगर निगम दुर्ग ने उक्त कार्य हेतु में. नेकॉफ इंडिया लिमिटेड, भोपाल एजेंसी को कार्यादेश जारी कर कार्य प्रारंभ करा दिया गया है। उक्त एजेंसी को वर्षाऋतु से पूर्व कार्य पूर्ण करने हेतु निरीक्षण के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा आदेशित किया गया है।कार्यादेशानुसार ट्रेंचिंग ग्राउंड में रखे गये कचरे को वैज्ञानिक पद्धति से निष्पादन के पश्चात् शहर से उत्पादित कचरो का भी 100 प्रतिशत निष्पादन तत्काल किया जाना संभव हो जायेगा। उक्त यूनिट के लगने से कचरो का निष्पादन नियमित रूप से होगा तथा आस-पास के रहवासियों को वायु प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी। महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने शहर वासियों से अपील की है, कि नगर निगम वायु प्रदूषण मुक्त कचरे का निष्पादन किये जाने हेतु प्रतिबद्ध है, आपसे अनुरोध है, कि किसी भी प्रकार के बहकावे में न आएं एवं शहर की सफाई व्यवस्था सुचारू करने में अपना सहयोग देंवे।

एनआईटी रायपुर एफआईई में नवाचार और उद्यमिता पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम सफलतापूर्वक सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एफआईई), जो एक टेक्नोलॉजी बिज़नेस इनक्यूबेटर है, ने शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से नवाचार और उद्यमिता पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का सफल आयोजन किया। यह कार्यक्रम 17 मार्च से 21 मार्च 2025 तक आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य शिक्षाविदों और इनक्यूबेशन मैनेजरों में नवाचार-प्रेरित सोच को विकसित कर अकादमिक क्षेत्र और उद्यमिता के बीच की दूरी को पाटना था।

इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए कुल 50 प्रतिभागियों, शिक्षकों, इनक्यूबेशन मैनेजरों और स्टार्टअप संस्थापकों ने भाग लिया। पांच दिनों तक प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों द्वारा संचालित सत्रों में भाग लिया, जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचार, रचनात्मकता, वित्त, व्यवसाय मॉडल और बौद्धिक संपदा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ-साथ, प्रतिभागियों को व्यावहारिक गतिविधियों में भी सम्मिलित किया गया ताकि वे छात्र स्टार्टअप्स का प्रभावी मार्गदर्शन कर सकें।

कार्यक्रम का समापन 21 मार्च 2025 को आयोजित समापन समारोह के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के प्रमुख एवं सीईओ प्रो. हुलास पाठक उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रो. श्रीमती. ए. बी. सोनी, प्रभारी निदेशक, एनआईटी रायपुर, तथा विशेष अतिथि के रूप में प्रो. पी. वाई. ढेकने, कुलसचिव, एनआईटी रायपुर, उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता प्रो. समीर बाजपेयी, प्रमुख, करियर डेवलपमेंट सेंटर, एनआईटी रायपुर ने की। मुख्य अतिथि प्रो. हुलास पाठक ने अपने संबोधन में उद्यमिता शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया और शिक्षकों से आह्वान किया कि वे संस्थागत इनक्यूबेशन संसाधनों का उपयोग कर छात्र-प्रेरित स्टार्टअप्स को समर्थन दें, जिससे प्रभावशाली शोध और नवाचार को बढ़ावा मिल सके। समारोह के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और उन्होंने इस कार्यक्रम से प्राप्त अपने अनुभव एवं ज्ञान साझा किए। कार्यक्रम का समापन एनआईटी रायपुर के सहायक कुलसचिव श्री पवन कटारिया द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

यह फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम एनआईटी रायपुर एफआईई की समर्पित टीम द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें संकाय प्रभारी डॉ. अनुज कुमार शुक्ला, डॉ. दिलीप सिंह सिसोदिया, और प्रभारी अधिकारी श्री पवन कटारिया शामिल थे। कार्यक्रम को बोर्ड निदेशक डॉ. समीर बाजपेयी के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया।

तीर्थंकर आदिनाथ व महावीर का जन्मकल्याणक कल से आदि से वीर थीम पर 10 अप्रैल तक प्रतिदिन कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सकल जैन श्रीसंघ द्वारा 2624वाँ भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव आदि से वीर तक 22 मार्च से 10 अप्रैल 2025 तक धूमधाम से मनाया जा रहा है। महोत्सव के पहले दिन 22 मार्च, शनिवार सुबह 7:30 बजे महावीर स्तूप सिटी कोतवाली पर जैन ध्वजारोहण के किया जाएगा। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति 2025 के अध्यक्ष महावीर कोचर महासचिव, ,स्न1 सिद्धार्थ डागा एवं कोषाध्यक्ष वीरेंद्र डागा ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन 23 मार्च रविवार को सुबह 9:15 से 10:15 बजे तक 2624 सामूहिक सामायिक आराधना के साथ महोत्सव का भव्यता के साथ शुभारंभ होगा। कार्यक्रम के लाभार्थी स्व. इंदिरा देवी एवं स्व जी.सी. जैन के आत्म श्रेयार्य कीर्ति जैन-रश्मि जैन, कमलेश जैन-रत्ना जैन, लवकुश सोनाली जैन, रत्नेश-पूजा जैन, राशि, राजवीर, आर्यावीर, मिराया जैन परिवार रायपुर, छत्तीसगढ़ है। भगवान महावीर जन्म कल्याण महोत्सव में 15 दिवसीय प्रभात फेरी होगी, जो 26 मार्च से 9 अप्रैल तक चलेगी। प्रभात फेरी प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे से होगी। जिसके बात 10 अप्रैल को तिथि चैत्र सुदी तेरस में भगवान महावीर जन्म कल्याण दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति द्वारा 15 दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह 26 मार्च से 9 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 7:30 बजे से 10 बजे तक चलेगा।

जैन ओलिंपिक कोटा स्टेडियम में: समिति की ओर से 30 मार्च, रविवार को जैन ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के बालक-बालिका हिस्सा ले सकते हैं। जैन ओलंपिक का आयोजन कोटा स्थित स्टेडियम में किया जाएगा जिसमें 100, 200 और 400 मीटर दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद, जैवलिन थ्रो, तवा फेंक, शतरंज और स्विमिंग के इवेंट्स होंगे। तैराकी की स्पर्धा अंतर्राष्ट्रीय स्विमिंग पूल में होगी।

स्वाभिमान से स्वालंबन की ओर समर्पण सखी महिला मंडल की ओर से जैन ट्रेड फेयर स्वाभिमान से स्वालंबन की ओर का आयोजन किया जाएगा। जैन ट्रेड फेयर में महिला लघु व कुटीर उद्यमियों के आर्थिक सक्षमीकरण का प्रकल्प एवं देशभर की जैन महिला उद्योगों के लघु एवं कुटीर उद्योगों के उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय होगा। फेयर का आयोजन दादाबाड़ी में सुबह 10 से रात 9 बजे तक किया जाएगा जिसका उद्घाटन 1 अप्रैल को दोपहर 12:36 पर होगा। निशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर एवं 15 दिवसीय महावीर प्रसादी महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के दौरान कई सामाजिक पहल किए जाएंगे, जिनमें मुख्य रूप से चार दिवसी निशुल्क फिजियोथैरेपी शिविर का आयोजन डॉक्टर दीपक जैन के मार्गदर्शन में 1 से 4 अप्रैल को सुबह 11 बजे से रात 8 तक किया जाएगा। साथ ही वामा मंडल, शंकर नगर की ओर से 15 दिवसीय महावीर प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर शनिवार 22 मार्च 2025

संक्षिप्त समाचार

नकली शराब बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़,एक गिरफ्तार

बलरामपुर(विश्व परिवार)। आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई करते हुए रामानुजगंज थाना क्षेत्र के कंचननगर से भारी मात्रा में नकली शराब और शराब बनाने की सामग्री बरामद किया है। मामले में पुलिस ने रामानुजगंज निवासी एक आरोपी को भी पकड़ा है। आरोपी नकली शराब बनाकर छत्तीसगढ़ और झारखंड में सप्लाई करता था। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि रामानुजगंज थाना क्षेत्र के कंचननगर में नकली शराब बनाने का अवैध कारोबार चल रहा है। सूचना पर पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए मौके पर छापामार कार्यवाही की इस दौरान टीम को मौके से भारी मात्रा में नकली शराब बनाने की सामग्री मिली, जिसमें स्प्रीट, दारू की शीशियां, अलग-अलग ब्रांड के रेपर, बारकोड, हॉलमार्क स्टीकर आदि बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को कार समेत गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला कि आरोपी पहले शराब दुकान में काम कर चुका है, जिससे उसे शराब निर्माण और ब्रांडिंग की पूरी जानकारी थी। इसी का फायदा उठाकर उसने नकली शराब बनाने और उसे बाजार में खपाने का गोरखधंधा शुरू कर दिया था। प्राथमिक जांच में पता चला है कि आरोपी नकली शराब को छत्तीसगढ़ और झारखंड के कई इलाकों में सप्लाई कर रहा था। पुलिस को आशंका है कि इस रैकेट में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। पुलिस और आबकारी विभाग की टीम मामले की गहन जांच में जुटी है।

इंस्पायर अवार्ड के लिए चार विद्यार्थियों का हुआ चयन

सुकमा(विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल पावारास, सुकमा के 04 विद्यार्थियों का चयन मानक इंस्पायर अवार्ड के लिए हुआ है। प्रिंसिपल श्रीमती टीडी दास ने बताया कि कक्षा 8वीं से तेजस राठी के द्वारा ब्लैकबोर्ड क्लीनिंग डिवाईस व कु. काव्या चौरसिया के द्वारा सेप्टी अम्ब्रैला डिवाईस और कक्षा 10वीं से कु. निधि सिंह के द्वारा डस्ट क्लीनर विथ हिडन गैजेट व कु. नैंसी नाग के द्वारा सोलर पावर ग्लब्स आईडिया का चयन हुआ है। संस्था के मेधावी छात्रों के आईडिया को साकार होने के उपलक्ष्य में 10 हजार की प्रोत्साहन राशि भी दिया गया है। इंस्पायर अवार्ड के चयनित छात्र छात्राओं का मार्गदर्शन विज्ञान शिक्षिका श्रीमती शारदा तिवारी के द्वारा किया गया था। प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ ने पूरी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी।

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में अब तक 30 नक्सली ढेर

बीजापुर(विश्व परिवार)। बीजापुर-दंतेवाड़ा सीमा और कांकेर में फोर्स को बड़ी सफलता मिली है, 30 नक्सली ढेर हुए है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि गुरुवार दोपहर तक दोनों तरफसे फायरिंग जारी है। घटनास्थल से नक्सलियों के शव और कई ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए गए हैं। इधर, तीसरी घटना में नारायणपुर-दंतेवाड़ा बॉर्डर पर स्थित थुलथुली इलाके में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से दो जवान जख्मी हो गए। दोनों की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस को गंगालूर इलाके में बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी मिली थी। इसके बाद दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन लॉन्च किया। फोर्स एक दिन पहले एंड्री इलाके में पहुंच गई थी। गुरुवार की सुबह यहां मुठभेड़ हुई। बीजापुर स्क जितेंद्र यादव और दंतेवाड़ा स्क गौरव राय ने जानकारी दी है कि मुठभेड़ अभी भी जारी है।

रंगपंचमी पर श्रीराधे नवल किशोरी महिला मानस समिति ने मनाया होली मिलन उत्सव

गरियाबंद (विश्व परिवार)। रंगों और उमंग से भरे होली के पर्व को खास बनाते हुए श्रीराधे नवल किशोरी महिला मानस समिति ने बूढ़ादेव महादेव बूढ़ेश्वर मंदिर में भव्य होली मिलन एवं रंगोत्सव का आयोजन किया। समिति की महिलाओं ने फूलों और गुलाल से होली खेलकर जल संरक्षण का संदेश दिया और पारंपरिक होली गीतों व झांकियों के माध्यम से उत्सव को यादगार बना दिया।

फूलों और गुलाल से सजी होली, रंगीला माहौल- कार्यक्रम में महिलाओं ने ढोलक की थाप पर पारंपरिक फाग गीत गाए और राधा-कृष्ण की सुंदर झांकी प्रस्तुत की, जिसने समां बांध दिया। पूरे वातावरण में भक्तिमय रंग घुल गया। समिति अध्यक्ष मंजरी गुप्ता ने 卐मस्ती भरे होली टाइटल卐 पढ़कर महिलाओं का मनोरंजन किया और हास्य-व्यंग्य से भरे इन टाइटलों ने सबको हंसी से लोटपोट कर दिया।

महिलाओं के लिए विशेष पहल- मंजरी गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन महिलाओं को रोजमर्रा की व्यस्तता से निकालकर खुशियों में सराबोर करने के लिए किया जाता है। प्रशासन की अपील को ध्यान में रखते हुए, समिति ने मथुरा-काशी की तर्ज पर पानी रहित होली खेली और समाज को जल संरक्षण का संदेश दिया।

रंगपंचमी को ही क्यों चुना गया?- रंगपंचमी के दिन आयोजन करने का उद्देश्य था कि महिलाएं अपने कामकाज से समय निकालकर इस पर्व का आनंद उठा सकें। समिति तीज मिलन, सावन उत्सव, होली मिलन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को जीवंत बनाए रखने का निरंतर प्रयास कर रही है।

रंगों से जुड़ा खूबसूरत संदेश- कार्यक्रम के समापन पर मंजरी गुप्ता ने कहा—

मैं रंग हूं अपने परिवार का,
अपने दोस्तों का और अपने चाहने वालों के चेहरे का,
वो जितना खुश होंगे, मैं उतनी ही निखरती जाऊंगी।

सफल आयोजन में विशेष सहयोग- इस आयोजन को सफल बनाने में शशिप्रभा सिन्हा, हेमलता सिन्हा, कुसुमलता सिन्हा, नेहा यादव, पुष्पा यादव, अभिलाषा उपाध्याय, अनुराधा निर्मलकर, विमला साहू, श्यामबती साहू, नंदिनी त्रिपाठी, दीपा साहू, गायत्री सिन्हा, वंदिता यादव, सुमन बद्रीप्रसाद देवांगन, रेखा वर्मा, मंजू दुबे, सुमन नारायण देवांगन, लोकेश्वरी पॉल और पूजा सिन्हा (राधा-कृष्ण रूप में) सहित कई महिलाओं का विशेष योगदान रहा।

नक्सलियों द्वारा डंप की गई 8 लाख रुपये की नगद राशि और विस्फोटक सामग्री बरामद

गरियाबंद (विश्व परिवार)। थाना मैनपुर अंतर्गत पण्डरीपानी क्षेत्र में गरियाबंद पुलिस, एसटीएफ, कोबरा 207, सीआरपीएफ 65 बटालियन एवं सीआरपीएफ 211 की संयुक्त कार्रवाई में माओवादियों द्वारा डंप की गई आठ लाख रुपये की नगद राशि के साथ विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

माओवादियों द्वारा ग्राम पण्डरीपानी के पहाड़ी क्षेत्र में दहशत फैलाने और विस्तारवादी नीति के तहत ग्रामीणों और कारोबारियों से अवैध वसूली की गई राशि व विस्फोटक सामग्री डंप की गई थी। पुलिस को मिली गोपनीय सूचना के आधार पर दिनांक 20 मार्च 2025 को पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के मार्गदर्शन में डीएसपी गरिमा दादर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में निरीक्षक शिवशंकर हुर्रा, उपनिरीक्षक गुनेश्वरी नरेटी, सउनि निरीक्षक भानु प्रताप धुव, एसटीएफ, कोबरा 207, सीआरपीएफ की ई-30 ऑप्स टीम एवं बीडीएस की संयुक्त टीम शामिल थी। यह टीम थाना मैनपुर से पण्डरीपानी के जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में सर्चिंग के लिए रवाना हुई।

सर्चिंग के दौरान 20 मार्च को करीब 11:00 बजे डंप एरिया में बीडीएस टीम द्वारा जांच की गई। एक पेड़ के नीचे खुदाई करने पर सफेद रंग की बोरी में एक स्टील डिब्बा मिला। इस डिब्बे में नीले रंग की झिल्ली में लिपटे 8 लाख रुपये नकद, 13 नग ज्वलनशील जलेटिन विस्फोटक, नक्सली बैनर, डायरी, कॉपी और अन्य साहित्य बरामद किए गए।

इस कार्रवाई से माओवादियों की दहशत फैलाने की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। गरियाबंद पुलिस ने इस सफलता के साथ माओवादी नेटवर्क को कमजोर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बरामद सामग्री को जब्त कर थाना मैनपुर में अपराध पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से वृद्ध बृजेश को मिला नया जीवन

दोनो किडनी फेल होने के बाद निःशुल्क डायलिसिस का लाभ मिल रहा

कांकेर(विश्व परिवार)। जीवन के अंतिम पड़ाव में बुढ़ापे के साथ कई तरह के रोग सिर उठाने लगते हैं। ऐसे में लोगों को अपनी जिन्दगी बचाने के लिए काफी पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इन्हीं परेशानियों को देखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना प्रारंभ की गई है, जिसके तहत गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाती है। जिले के नरहरपुर के निवासी 66 वर्षीय वृद्ध बृजेश दुबे को डायलिसिस के लिए अब तक 03 लाख 33 हजार 960 रूपए का लाभ मिल चुका है, जो उनके लिए बड़ा सहायक सिद्ध हुआ है। नरहरपुर के वार्ड क्रमांक-12 में रहने वाले दुबे ने बताया कि उनकी दोनो किडनी वर्ष 2022 से फेल हो चुकी है, जिसके चलते उन्हें अस्पताल जाकर प्रत्येक सप्ताह दो बार अनिवार्य रूप से डायलिसिस कराना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चूंकि हेपेटाइटिस बी पॉजिटिव के मरीज हैं इसलिए रायपुर के एक निजी अस्पताल में जाकर डायलिसिस कराना पड़ रहा है। जिसका प्रति सेशन 2170 रूपए खर्च होता है। इस प्रकार हर सप्ताह 4340 रूपए के अलावा रायपुर आने-जाने में काफी खर्च हो जाता है। दुबे ने बताया कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत उन्हें उपचार के लिए अब तक 03 लाख 33 हजार 960 रूपए की स्वीकृति मिल चुकी है।

बैंकिंग कार्य में सभी दस्तावेज की कमी को एकसाथ बताएं सभी बैंक - कलेक्टर

सारंगढ़ बिलाईगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं अध्यक्ष धर्मेश कुमार साहू ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अग्रणी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के तत्वाधान में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) का बैठक लिया। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने सभी बैंक अधिकारियों को कहा कि बिहान समूह के सखी, स्व सहायता समूह और पीएम स्वरोजगार सृजन तथा एसटी एसी वर्ग के लिए अंत्यावसायी की योजना के हितग्राहियों को उनके आवेदन में जितने दस्तावेज, हस्ताक्षर आदि की कमी है, उसे एक चेकलिस्ट अनुसार जानकारी दें। उन्हें उनके बैंक में आने के दौरान उनके दस्तावेज चेक कर लें। ऐसा नहीं होना चाहिए कि वे दिनभर बैंक में बैठे रहे और आप एक कमी निकालकर उनका आवेदन लौटा दें। कलेक्टर ने योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ देने के लिए बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया। इस बैठक में अपर कलेक्टर प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, जिला अग्रणी बैंक अधिकारी सुरेश दमके, सारंगढ़ एसबीआई के लाल बहादुर गुप्ता, अंत्यावसायी विकास निगम के अधिकारी मनोज कुमार भगत, जिला व्यापार एवं उद्योग के अधिकारी कमल ध्रुव, ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान (आरसेटी) के श्रवण श्रीवास्तव सहित सभी बैंक,माइक्रो फाइनेंस आदि के अधिकारी उपस्थित थे।

बस्तर पंडुम : कलेक्टर ने लिया जिला स्तरीय बस्तर पंडुम के तैयारियों के संबंध में बैठक

नारायणपुर(विश्व परिवार)। जनजातीय बाहुल्य बस्तर संभाग की अद्भुत कला और संस्कृति को संरक्षित और संवर्धित करने के उद्देश्य से इस वर्ष बस्तर पंडुम का आयोजन किया जा रहा है। जिले में 17 एवं 18 मार्च को विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके पश्चात 21 मार्च जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन माहाका इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईने जिला स्तरीय बस्तर पंडुम के आयोजन की तैयारियों के संबंध में जिला कार्यालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए संपूर्ण तैयारियों को पूर्ण करने निर्देशित किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जनजातीय कला, लोककला, शिल्प, तीज-त्यौहार, खानपान, बोली-भाषा, रीति-रिवाज, वेश-भूषा, आभूषण, वाद्य यंत्र, पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत, नाट्य, व्यंजन और पेय पदार्थों के मूल स्वरूप को संरक्षित करना और कला समूहों के सतत विकास को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में विभिन्न विधाओं में प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, जिनमें जनजातीय नृत्य, जनजातीय गीत, जनजातीय नाट्य, जनजातीय वाद्ययंत्रों का प्रदर्शन, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण का प्रदर्शन, जनजातीय शिल्प एवं चित्रकला का प्रदर्शन, जनजातीय पेय पदार्थ एवं व्यंजन का प्रदर्शन प्रतियोगिता के माध्यम से किया जाएगा।

बस्तर पंडुम में दिखी जनजातीय संस्कृति की अनूठी झलक

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन के मार्गदर्शन में बस्तर पंडुम 2025 का विकासखंड स्तरीय आयोजन स्वामी विवेकानंद परिसर, सुकमा में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह उत्सव बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति को उजागर करने के साथ ही स्थानीय समुदाय को अपनी परंपराओं और विरासत को संजोने का अवसर भी प्रदान कर रह है। कार्यक्रम में शामिल जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे कहा कि ने जनजातीय कला और संस्कृति की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बस्तर क्षेत्र में लगभग 68 प्रतिशत जनजातीय आबादी निवास करती है, जो अपनी अनूठी परंपराओं, रीति-रिवाजों और कला-कौशल के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि बस्तर पंडुम परंपरा और विकास का संगम है। अन्य जनप्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बस्तर की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि बस्तर पंडुम से की सांस्कृतिक विरासत को संजोने का और स्थानीय समुदाय के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस आयोजन ने जनजातीय समुदायों को अपनी कला और परंपराओं को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया, जिससे उनकी सांस्कृतिक पहचान को और भी मजबूती मिलेगी। उत्सव के दौरान ग्राम पंचायतों से आईं स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के द्वारा पारंपरिक व्यंजनों और पेय पदार्थों की प्रदर्शनी लगाई गई। स्टॉलों में स्थानीय व्यंजनों की विशेषता को दर्शाते हुए चपड़ा चटनी, टोप्पो भेंडा, इमली चटनी जैसी पारंपरिक स्वादिष्ट चीज़ों को प्रदर्शित किया गया, जिससे अतिथियों एवं नागरिकों को बस्तर की पारंपरिक पाक-कला से रूबरू होने का अवसर मिला। उत्सव के दौरान प्रतिभागियों को उनकी पारंपरिक जनजातीय वेशभूषा में देखा गया, जिससे पूरे आयोजन का माहौल और भी अधिक रंगीन और आकर्षक बन गया। लोक कलाकारों ने बस्तर के प्रचलित महुआ लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। बस्तर पंडुम 2025 में सात प्रमुख विधाओं के माध्यम से जनजातीय कला-संस्कृति को प्रदर्शित किया गया, जिनमें जनजातीय नृत्य, जनजातीय गीत, जनजातीय नाट्य वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूष , जनजातीय शिल्प एवं चित्रकला ,जनजातीय व्यंजन एवं पेय पदार्थ शामिल थे। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

विस्थापितों को मुआवजा पर संदेह, शिविर में किया शिकायतों का निराकरण

कोरबा(विश्व परिवार)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के द्वारा गेवरा दीपका क्षेत्र में अपनी कॉल माइंस के विस्तार के लिए लगातार कोशिश की जा रही है। मलगांव में भू अर्जन से प्रभावित लोगों की ओर से कई प्रकार की शिकायत लगातार की जा रही थी जिस पर प्रशासन ने संज्ञान लिया। गांव में शिविर लगाकर लोगों की बात सुनी गई और उनकी शिकायतों का निराकरण किया गया। कटघोरा राजस्व सब डिवीजन के अंतर्गत यह गांव शामिल है जहां तक कोल माइंस का विस्तार किया जा रहा है। इस हिस्से तक कोयला की पट्टी मौजूद होने की बात सर्वेक्षण में सामने आई थी जिसके बाद आगे की प्रक्रिया को बढ़ाया गया। भू अर्जन नियमों के अंतर्गत इस गांव की जमीन कोयला खदान के लिए अर्जित की जा रही है। इस प्रक्रिया में अलग-अलग उपयोग से संबंधित जमीन के अतिरिक्त बोरवेल, हैंड पंप, पेड़ पौधे आदि जद में आ रहे हैं। इन सभी के लिए सरकार ने विस्थापन और पुनर्वास नीति में कई प्रकार के नियम बना रखे हैं और इसी हिसाब से प्रभावित पक्ष को मुआवजा देने का नियम है। औद्योगिक जिले कोरबा में उद्योगों की स्थापना और विस्तार के लिए लगातार जमीन का अर्जन हो रहा है और परिवर्तित नियम के अंतर्गत मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जा रही है। मलगांव से संबंधित मामले को लेकर यहां के लोग लगातार इस बात की शिकायत करते रहे हैं कि सर्वेक्षण और नाप जोक के बाद उनके मुआवजा प्रकरण विसंगति पूर्ण है और कहीं ना कहीं गड़बड़ी की गई है जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। कई स्तर तक इस बारे में शिकायत होने पर जिला प्रशासन को आखिरकार संज्ञान लेना पड़ा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर शनिवार 22 मार्च 2025

व्यापार समाचार

अल्ट्राटेक ने जिम्मेदार जल मैनेजमेंट के माध्यम से बलौदा बाज़ार - भाटापारा में जल सुरक्षा को किया मजबूत

इस विश्व जल दिवस पर, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड सही वाटर मैनेजमेंट के लिए अपनी जिम्मेदारी को दोहराता है। कंपनी पानी के मैनेजमेंट के अच्छे तरीकों और मजबूत नियमों के जरिए पानी को बचाने पर ध्यान देती है। अल्ट्राटेक का पानी का मैनेजमेंट सिर्फ उसकी फैक्ट्रीज तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उसके आसपास के समुदायों तक भी फैला हुआ है, जहाँ कंपनी काम करती है।

अल्ट्राटेक की बलौदा बाजार - भाटापारा जिले में स्थित दो यूनिट, रावन सीमेंट वर्क्स और हिरमी सीमेंट वर्क्स, लोकल कम्युनिटीज में पानी की सुरक्षा बढ़ाने के लिए काम करती हैं। इससे लोगों की रोज़ी-रोटी, भोजन की उपलब्धता और आर्थिक मजबूती बढ़ती है।

ये यूनिट कई काम करती हैं, जैसे चेक डैम बनाना, तालाबों की गहराई बढ़ाना और अन्य पानी बचाने और बारिश के पानी को इकट्ठा करने के लिए स्ट्रक्चर बनाना। इन कोशिशों से ग्राउंड वाटर लेवल को बढ़ाने में , मिट्टी में नमी बनाए रखने, तालाब के किनारे बड़े पेड़ों की सुरक्षा और आसपास के गाँवों में खेती के उत्पादन में सुधार में बहुत मदद मिली है।

1995 से, रावन सीमेंट वर्क्स ने इलाके में पानी बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस प्रयास के तहत 33 तालाबों की गहराई बढ़ाई गई और 2 चेक डैम बनाए गए ताकि बारिश के पानी को इकट्ठा करके बचाया जा सके। साथ ही, 2 बड़े डैम में पानी के फ्लो और स्टोरेज को बेहतर बनाने के लिए गेट बनाए गए। इन प्रयासों से हर साल 3.6 लाख क्यूबिक मीटर पानी बचाया जा रहा है, जबकि अब तक कुल 35 लाख क्यूबिक मीटर पानी बचाया जा चुका है। सिंचाई के लिए 1200 एकड़ से अधिक जमीन को लगातार पानी की आपूर्ति दी गई है। किसानों को सिंचाई के लिए फव्वारे और सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप जैसी पानी निकालने की सुविधाएँ दी गई हैं, जिससे सिंचाई में पानी की खपत लगभग 40त्न तक कम हो गई है। इसके अलावा, पानी की बचत को बढ़ावा देने के लिए कम पानी में उगने वाले बीज बांटे जाते हैं, जिससे हर साल लगभग 3000 किसानों को फायदा होता है। इन प्रयासों का असर यह हुआ है कि क्षेत्र के 81 तालाबों और डैम में अब फरवरी तक पानी उपलब्ध रहता है, जबकि पहले यह केवल दिसंबर तक ही रहता था। साथ ही, 15 गांवों में पूरे साल पानी की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

हिरमी सीमेंट वर्क्स छोटे किसानों के लिए पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गाँव के तालाबों को फिर से अच्छा करने के तहत पानी बचाने के काम करता है। इस प्रयास का उद्देश्य मिट्टी के कटाव और तालाबों में मिट्टी जमा होने से रोकना है। जिससे उनकी मजबूती बनी रहे और वे सिंचाई व मछली पालन के लिए ज्यादा पानी जमा कर सकें। अब तक 31 तालाबों की गहराई बढ़ाई गई है और आसपास के गाँवों में 3 चेक डैमबनाए गए हैं, जिससे खेती और घरेलू जरूरतों के लिए पानी की उपलब्धता में सुधार हुआ है। काम की शुरुआत से अब तक कुल 4672 किसानों को फायदा हुआ है, जिनमें से सिर्फ वित्तीय वर्ष 2024 (स्नङ्क24) में 1631 किसानों को फायदा मिला। स्नङ्क24 में हिरमी यूनिट के पानी बचाने के प्रयासों से इन 9 गाँवों में कुल 61,000 क्यूबिक मीटर पानी इकट्ठा और जमीन के नीचे के पानी में वापस पहुँचाया गया। अब तक इस काम के तहत कुल 29,33,973 क्यूबिक मीटर पानी जमा और फिर से भरा जा चुका है।

अल्ट्राटेक के जल संरक्षण के लिए किये गए प्रयास - सामुदायिक जल संरक्षण प्रयासों के अलावा, अल्ट्राटेक अपनी फैक्ट्रीज में भी पानी बचाने के लिए कई तरह के तरीके अपनाता है। इस तरीके में पानी बचाने के उपाय शामिल हैं, जैसे कि बंद खदानों को पानी के तालाब में बदलना और छत पर बारिश का पानी जमा करने की व्यवस्था बनाना। साथ ही, दोबारा इस्तेमाल किए गए पानी के उपयोग को बढ़ाने और उत्पादन प्रक्रियाओं में पानी के सही इस्तेमाल को सुधारने के लिए भी कई काम किए जाते हैं।

अल्ट्राटेक ने अपनी कई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ँस्ठ) फैक्ट्री स्थापित किए हैं, जिससे साफकिए गए पानी का 100त्न दोबारा इस्तेमाल किया जा सके और ताजे पानी पर निर्भरता कम हो। इसके अलावा, कंपनी हर दो साल में उन घरेलू साइटों पर वॉटर ऑडिट करती है, जहां प्रतिदिन 100 क्यूबिक मीटर से अधिक पानी की आवश्यकता होती है, ताकि पानी की बचत बढ़ाने के नए अवसरों की पहचान की जा सके।

रावन और हिरमी सीमेंट वर्क्स अपने परिसर के अंदर भी पानी बचाने के कई तरह के काम करते हैं। रावन ने पानी जमा करने, जमीन के नीचे पानी फिर से भरने और दोबारा इस्तेमाल करने के जरिए अब तक कुल 28 लाख क्यूबिक मीटर पानी बचाया है, जिसमें सिर्फवित्तीय वर्ष 2024 में ही 1.2 लाख क्यूबिक मीटर पानी बचाया गया। वहीं, पिछले दस सालों में हिरमी सीमेंट वर्क्स ने अपने परिसर में 1.69 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी बचाया है, जिसमें वित्तीय वर्ष 2024 में 20 लाख (2 मिलियन) क्यूबिक मीटर पानी बचाया गया।

छोटे डिजिटल पेमेंट पर मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने छोटे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए ?1,500 करोड़ की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है। यह योजना विशेष रूप से छोटे व्यापारियों को लाभान्वित करेगी और इसका उद्देश्य डिजिटल भुगतान की पहुंच को बढ़ाना है। मंत्रिमंडल द्वारा जारी बयान के अनुसार, 'कम वैल्यू वाले भीम-यूपीआई लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) प्रोत्साहन योजना' को ?1,500 करोड़ की अनुमानित लागत से लागू किया जाएगा।

आईपीएल हार्दिक पंड्या होंगे बाहर, मुंबई इंडियंस के पहले मैच के लिए नए कप्तान का हुआ ऐलान

मुंबई(एजेंसी)। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे, नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या ने इसकी पुष्टि की है। पांड्या मुंबई इंडियंस के सीजन के पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, क्योंकि उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा हुआ है। टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ आईपीएल 2024 के अंतिम लीग मैच में धीमा ओवर-रेट दर्ज किया था, जो सीजन का उनका तीसरा अपराध भी था। सूर्यकुमार ने 2023 में एक आईपीएल मैच में मुंबई की कप्तानी की थी। पांड्या ने प्री-सीजन प्रेस कॉन्फ्रेंस, जिसमें वे बुधवार को मुख्य कोच माहेला जयवर्धने के साथ शामिल हुए थे, में कहा, सूर्यकुमार यादव भारत की भी कप्तानी करते हैं। वे आईपीएल 2025 के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे। मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ तीन कप्तान खेल रहे हैं ङ्क रोहित, सूर्य और बुमराह। वे हमेशा मेरे कंधे पर हाथ रखते हैं और जब भी मुझे किसी मदद की जरूरत होती है, तो वे हमेशा मौजूद रहते हैं। मुंबई-चेन्नई मुकाबले के बारे में बात करते हुए जयवर्धने ने कहा, यह दोनों टीमों के लिए एक चुनौती है। मैंने हमेशा इस मुकाबले का लुत्फ उठाया है, और इसके लिए उत्साहित हूं। टीम के लिए थोड़ा और उत्साह भी है। मुंबई अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना खेल रही है, जो मार्च में सिडनी टेस्ट के दौरान लगी पीठ की चोट से उबर रहे हैं। जयवर्धने ने कहा कि बुमराह अभी भी बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफएक्सीलेंस में रिहैब से गुजर रहे हैं। वह अभी भी एनसीए में है और दिन-प्रतिदिन उसकी निगरानी की जा रही है। वह ठीक हो रहा है और अच्छे मूड में है; उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ जाएगा। पिछले साल मुंबई अंक तालिका में सबसे नीचे रहा और पांड्या ने कहा कि टीम आईपीएल 2025 में हर पहलू में अपना प्रदर्शन सही करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। बस अच्छा क्रिकेट खेलें। एक ही समय में एक-दूसरे के साथ रहें। प्रक्रियाओं को सही तरीके से करें। आगे बढ़ें और अमल करें। इस समूह के साथ, प्रतिभा को देखते हुए, हम मैचों का आनंद लेने के लिए आगे बढ़ेंगे। पांड्या ने कहा, यह साल एक नया साल है। बहुत सी चीजें बदल गई हैं; बहुत सारा प्यार और खुशी जुड़ गई है। हमेशा जुनून और नई चुनौतियां होंगी जो मुझे पसंद हैं। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा टीम की मदद करना है ताकि टीम में मूल्य जोड़ा जा सके। पांड्या और जयवर्धने दोनों ने अंत में कहा कि दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट को टीम में शामिल करना पांच बार के चैंपियन के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। पांड्या ने कहा, ट्रेंट बोल्ट को शामिल करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण था। दीपक चाहर भी। हम एक अनुभवी गेंदबाजी लाइनअप चाहते थे, ताकि जब दबाव आए तो हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हों जो पहले भी दबाव महसूस कर चुके हों।

रेमंड कंपनी में फिर होने लगा बवाल, गौतम सिंघानिया की पूर्व पत्नी नवाज मोदी ने उठाया ये कदम

नई दिल्ली(एजेंसी)। रेमंड ग्रुप फिर से चर्चा में है। इस बार कंपनी के मैनेजमेंट स्तर पर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। इससे पहले ग्रुप उस समय चर्चा में आया था जब वर्ष 2024 में ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी नवाज मोदी के बीच तलाक का मुद्दा गर्माया था। नवाज मोदी ने गौतम सिंघानिया पर मारपीट के आरोप लगाए थे। इसके साथ ही उनकी संपत्ति में बड़ा हिस्सा भी मांगा था। अब नवाज मोदी ने सभी को फिर से हैरान कर दिया है। नवाज मोदी ने रेमंड बोर्ड में निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट की मानें तो रेमंड लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी गौतम सिंघानिया की पत्नी नवाज मोदी उनसे अलग रह रही है। अब वो कंपनी के बोर्ड से भी अलग हो गई है। कंपनी ने इसकी जानकारी 19 मार्च को दी है। कंपनी के बयान की मानें तो पद से नवाज मोदी सिंघानिया ने इस्तीफा दिया है जो 19 मार्च से प्रभावी है। जानकारी के मुताबिक गौतम सिंघानिया की पत्नी नवाज मोदी की पत्नी ने बोर्ड को अपना इस्तीफा दे दिया है। इस इस्तीफे में उन्होंने लिखा है कि वो निजी कारणों से इस्तीफा दे रही हैं।

मियामी ओपन: निक किर्गियोस ने 896 दिनों में दर्ज की अपनी पहली जीत

मियामी(एजेंसी)। निक किर्गियोस ने मियामी ओपन में अमेरिकी क्वालीफायर मैकेंजी मैकडोनाल्ड को हराकर 2022 के बाद अपना पहला एटीपी टूर मैच जीता। 29 वर्षीय किर्गियोस पिछले 18 महीनों से पैर और कलाई की चोटों से परेशान थे और इस साल की शुरुआत में उन्होंने दोबारा खेलना शुरू किया। कलाई की लगातार तकलीफ के कारण किर्गियोस पिछले दो साल से टेनिस से दूर थे। कुछ हफ्ते पहले इंडियन वेल्स में उन्हें पहले ही दौर में मैच छोड़ना पड़ा था, लेकिन मियामी ओपन में उन्होंने मैकडोनाल्ड को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर शानदार वापसी की। अक्टूबर 2022 में जापान ओपन में दूसरे दौर के मुकाबले के बाद से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी को जीत नहीं मिली थी और यह अब यह जीत 896 दिनों के बाद आई। कलाई की चोट के चलते किर्गियोस का करियर खतरे में पड़ गया था, लेकिन अब इस जीत को वह अपनी वापसी का सबसे बड़ा पल मानते हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए लंबा सफर रहा है। कई बार तो मैच खेलना भी डराने वाला था कि मैं इसे पूरा कर पाऊंगा या नहीं। लेकिन अब एक जीत हासिल करके यह महसूस करना कि मैं फिर से इस खेल का हिस्सा हूं, बहुत खास अहसास है। अब उनका अगला मुकाबला 22वीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव से होगा, जिनसे वह 2022 यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में हार चुके हैं। इस बार किर्गियोस उस हार का बदला लेना चाहेंगे। किर्गियोस, जो अब तक अपने सातों खिताब हार्ड कोर्ट पर जीत चुके हैं, मियामी ओपन में पांच बार चौथे दौर तक पहुंचे हैं। यह टूर्नामेंट उनके लिए सबसे सफल मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता रही है। उन्होंने कहा, मियामी में खेलते हुए मुझे हमेशा अच्छा महसूस होता है। मैं अपने प्रदर्शन पर गर्व महसूस कर रहा हूं। इस स्तर पर आपको कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होती है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने विश्व वन दिवस और विश्व जल दिवस 2025 पर पर्यावरण संरक्षण और सतत प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की

बैंगलोर: दुनिया जब 'विश्व वन दिवस' और 'विश्व जल दिवस' मना रही है, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। यह वैश्विक टोयोटा एनवायमेंटल चैलेंज (पर्यावरण चुनौती) 2050 (टीईसी 2050) को मूर्त रूप देती है। इसमें 'शून्य पर्यावरणीय प्रभाव से आगे बढ़ना और शुद्ध सकारात्मक प्रभाव प्राप्त करना' जैसी छह दूरदर्शी चुनौतियां शामिल हैं। इनमें पानी के उपयोग को न्यूनतम और इष्टतम करना तथा प्रकृति के साथ सद्भाव में भविष्य के समाज की स्थापना भी की जानी है। टोयोटा एनवायमेंटल चैलेंज 2050 की स्थापना 2015 में हुई थी। तबसे टोयोटा एनवायमेंटल चैलेंज कंपनी की निरंतर जारी रहने वाली पहल का मार्गदर्शन करना जारी रखती है। इससे पृथ्वी के पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली में सकारात्मक योगदान संभव हो पाता है, इसके लिए कार्बन उत्सर्जन, संसाधनों की कमी, पानी की कमी और इसकी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में जैव विविधता के नुकसान जैसी चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। टीकेएम की प्रतिबद्धता के केंद्र में 'ग्रह के प्रति सम्मान' का गहन दर्शन निहित है, जो पारिस्थितिकी तंत्र और स्थानीय समुदायों को समृद्ध करते हुए पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के कंपनी के प्रयासों को प्रेरित करता है। इस दिशा में, पानी को एक अमूल्य और साझा संसाधन के रूप में पहचानते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर अपने प्लांट में पानी के उपयोग को अनुकूलित और सर्वश्रेष्ठ करने के लिए एक समग्र '4आर' रणनीति का पालन करता है। ये हैं रिड्यूस - कम करें, री यूज - पुन: उपयोग करें, रीसाइकिल - रीसाइकिल करें और रीचार्ज करें। उत्पादन के लिए टीकेएम की पानी की कुल आवश्यकता का 89.3त्न हिस्सा रीसाइकिल किए गए पानी और वर्षा जल संचयन के माध्यम से पूरा किया जाता है। 51,000 क्यूबिक (घन) मीटर की भंडारण क्षमता वाले वर्षा जल संचयन तालाबों और 18 भूजल पुनर्भरण गड्ढों के साथ, टीकेएम अपने परिसर में सालाना भूजल स्तर को लगातार बढ़ाता है। एक अत्याधुनिक अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र एमबीआर और आरओ जैसी उन्नत तकनीक का उपयोग करके 60त्न तक अपशिष्ट जल को रीसाइकिल करता है। इसका उपयोग फिर औद्योगिक और बागवानी उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इसके अलावा, भूजल स्तर की निगरानी से स्पष्ट लाभ दिखाई देते हैं: प्री-मानसून (मई-जून 2022) का स्तर 25.8 फीट था, जो मानसून के बाद (नवंबर-दिसंबर) 16.1 फीट तक उल्लेखनीय रूप से सुधर गया। ये पहल टीकेएम को शून्य तरल निर्वहन संयंत्र बनने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करती हैं, जो जल सकारात्मकता की ओर उत्तरोत्तर आगे बढ़ता है। जैव विविधता संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध, टीकेएम सक्रिय रूप से व्यापक वनरोपण पहल का समर्थन करता है।

अडानी समूह ने किया ऐसा ऐलान, मच गया शेयर बाजार में हाहाकार, कई कंपनियों के स्टॉक औंधे मुंह गिरे

नई दिल्ली(एजेंसी)। अडानी समूह ने बड़ा ऐलान किया है जिससे शेयर बाजार में घमासान मच गया है। अडानी ग्रूप ने जो जानकारी दी है उससे अल्ट्राटेक (आदित्य बिरला समूह की कंपनी) के लिए भी दिक्कत हो गई है। अडानी समूह ने ऐलान किया है कि अब कंपनी वायर एंड केबल्स सेक्टर में कदम रखने जा रही है। कुछ समय पहले ही आदित्य बिरला समूह ने इस फिल्ड में एंट्री ली है जिसके बाद अडानी ग्रूप भी इसमें शामिल हो गया है। देश के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी का अडानी समूह ने ज्वाइंट वेंचर कंपनी प्रणीता इकोकेबल्स लिमिटेड के साथ इस फिल्ड में आने का फैसला किया है। कच्छ कॉपर लिमिटेड ने कंपनी के साथ वायर एंड केबल व्यापार की शुरुआत करने का फैसला किया है। इसमें दोनों के पास ही कंपनी की 50-50 फीसदी हिस्सेदारी होगी। अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने स्टॉक एक्सचेंज में रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी गई है। फाइलिंग के मुताबिक अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का कहना है कि नई कंपनी वायर एंड केबल्स और मेटल्स के लिए होगी। कंपनी द्वारा इसके प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग, मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन किया जाएगा। माना जा रहा है कि वायर एंड केबल्स सेक्टर में अडानी समूह के आने से इस सेक्टर में कॉम्पिटिशन काफी अधिक बढ़ जाएगा। अडानी समूह का ये ऐलान होती है शेयर बाजार में भी घमासान मच गया। शेयर मार्केट में वायर एंड केबल्स सेक्टर के शेयरों में जोरदार गिरावट देखी गई है। बता दें कि इस ऐलान के बाद कारोबारी सेशन में पॉलीकैब इंडिया, हैवल्स इंडिया लिमिटेड, आरआर काबेल, फिनोलेक्स केबल्स के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बता दें कि जब अल्ट्राटेक सीमेंट ने इस सेक्टर में आने की घोषणा की थी तब भी इस सेक्टर के शेयर 20 फीसदी टूटे थे।

इस वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे के अवसर पर, लिस्टेरिन ने #Complete TheRoutine के लिए माउथ वॉश के महत्व पर जोर दिया

नईदिल्ली। दुनिया में स1 माउथवॉश ब्रांड और माउथवॉश उद्योग में अग्रणी, लिस्टेरिन0 ने वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे केअवसर पर आज 'लिस्टेरिन लैब्स' का आयोजन किया। इस इवेंट में प्रतिदिन माउथवॉश की मदद से मुँह को साफ़रखने के महत्व पर जोर दिया गया। यहाँ पिछले 145 वर्षों से माउथवॉश के अनुसंधान और विकास में लिस्टेरिन कीमहत्वपूर्ण विरासत के बारे में भी बताया गया। लिस्टेरिन लैब्स में अनेक इंटरैक्टिव डेमो और वैज्ञानिक प्रयोगों द्वारा ओरल केयर के बारे में बताया गया। यहाँ दिखाया गया कि ब्रश करने के बाद भी आपके मुँह में क्या रह जाता है। एक 'माउथवॉश कस्टमाइज़ेशन' स्टेशन द्वारा ब्रांड के आधुनिक उत्पादों और इनोवेशंस का प्रदर्शन भी किया गया, जो कीटाणुओं का 99.9 प्रतिशत सफाया कर इनेमल को मजबूतबनाते हैं और दांतों को कैविटी एवं प्लाक से बचाते हैं। ये उत्पाद विज्ञान पर आधारित हैं। इस इवेंट में प्रमुख हेल्थ इन्फ्लुएंसर्स भी मौजूद थे। कार्यक्रम में एक दिलचस्प पैनल वार्ता का आयोजन भी किया गया, जिसमें इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) केसदस्यों में ऑनरेरी सेक्रेटरी जनरल, आईडीए एचओ, डॉ. अशोक ढोबले; ऑनरेरी ट्रेज़रर, आईडीए एचओ, डॉ. दीपकमुछाला; जॉइंट सेक्रेटरी, आईडीए एचओ, डॉ. संजय जोशी तथा केनव्यू आरएंडडी टीम ने हिस्सा लिया। इस वार्ता में मुँह की देखभाल के महत्व और उसमें माउथवॉश की भूमिका के बारे में चर्चा की गई। भारत में ओरल केयर स्वास्थ्य की एक गंभीर समस्या क्यों है- भारत और विश्व में भी खराब ओरल हेल्थ जनस्वास्थ्य की एक बड़ी समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत में 95 प्रतिशत से अधिक वयस्कों के दांतों में कैविटी है। पिछले साल हर 10 में से 6 वयस्क डेंटिस्ट के पास नहीं गए। वहीं, हर 10 में से 8 बच्चों को ओरल हेल्थ की समस्या है। अधिकांश बच्चे दिन में दो बार ब्रश नहीं करते हैं, तथा पिछलेसाल हर 10 में से 7 बच्चे डेंटिस्ट के पास नहीं गए। 60 प्रतिशत अभिभावकों को अपने बच्चों की ओरल हेल्थ समस्याओं के बारे में मालूम ही नहीं है। ओरल केयर के बारे में ऑनरेरी सेक्रेटरी जनरल, इंडियन डेंटल एसोसिएशन एचओ, डॉ. अशोक ढोबले ने कहा, इंडियनडेंटल एसोसिएशन मुँह की पूरी देखभाल में माउथवॉश की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर, (छ.ग.)
ई.प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)
सिस्टम निविदा क्र.165824/निविदा सूचना क्र.01/व.ले.लि./ई-प्रोक्युरमेंट/2024-25 दि.20.03.2025
निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 11.04.2025, 17:30 बजे तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-
कार्य का नाम:- नई सिंचाई कालोनी एवं पुरानी सिंचाई कालोनी तिल्दा-नेवरा के आवासीय/कार्यालयीन भवनों का जीर्णोद्वार तथा बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।
अनुमानित लागत :- रू.291.74लाख
(एस.ओ.आर.01.08.2010 एवं दिनांक 22.08.2022तक संशोधन अनुसार)
अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 27.03.2025 समय 17:31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।
नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।
G- 242506092/4
कार्यपालन अभियंता
म.ज.प. डिसनेट संभाग क्र.3,तिल्दा-नेवरा
कृते, मुख्य अभियंता महानदी परियोजना,
जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.

दैनिक
विश्व परिवार महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 22 मार्च 2025

शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस 23 मार्च को पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर (विसं)। रायपुर नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस दिनांक 23 मार्च 2025 रविवार को प्रातः 10 बजे राजधानी शहर रायपुर के शंकर नगर एसआरपी चौक में स्थित शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के समक्ष उनका सादर नमन करने नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 3 के सहयोग से पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है।

संक्षिप्त समाचार

निगम एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा ने पदभार सम्हाला, महापौर व सभापति ने दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर के नगरीय नियोजन एवं भवन अनुज्ञा विभाग के अध्यक्ष श्री मनोज वर्मा ने आज नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के भूतल में प्रथम पूज्य देव श्रीगणेश की पूजा अर्चना और मुख्यालय के प्रथम तल पर कक्ष में श्रीगणेश पूजन अर्चन करने के तत्काल पश्चात आचार्य द्वारा वैदिक मन्त्रोंच्यार और शंख ध्वनि के मध्य अपना पदभार सम्हाल लिया. एमआईसी सदस्य श्री मनोज वर्मा को कार्यभार सम्हालने पर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रमेश सिंह ठाकुर, लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल सहित गणमान्यजनों, आमजनों, निगम अधिकारियों, कर्मचारियों ने कक्ष में पहुंचकर पदभार ग्रहण करने पर बुके प्रदत्त कर और फूलमालाओं से लादकर हार्दिक बधाइयाँ और शुभकामनायें दीं।

आदत बुरी सम्भाल लो, बस हो गया भजन : रामललाचार्य जी महाराज

बीरगांव (विश्व परिवार)। उरकुरा भवानी शंकर मंदिर में 18 मार्च से 25 मार्च तक चल रहे श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ के

चौथे दिन रामललाचार्य जी महाराज ने कथा की व्याख्या करते हुए कहा कि लोग अगर अपनी बुरी आदतें संभाल ले उससे बड़ा कोई भजन नहीं हो सकता वही महाराज जी ने कहा कि हर लोगों को भगवान की पूजा अर्चना निस्वार्थ भाव से करनी चाहिए और भगवान से कुछ मांगना नहीं चाहिए अगर कुछ मांगना ही है तो भगवान का सिर्फ आशीर्वाद मांगना चाहिए और भगवान का आशीर्वाद जिस व्यक्ति के ऊपर पड़ी वह कभी दुखी हो ही नहीं सकता वहीं इसके आयोजक सर्व विंध्य समाज एवं क्षेत्र के लोगों में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा सुनने भारी उत्साह देखा जा रहा है।

मंडल रेल प्रबंधक दयानंद द्वारा 22वें अंतर विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता 2025 का समापन

महिला कर्मचारियों मध्य क्रिकेट मुकाबले में विजेता डीआरएम -11 एवं उप विजेता एडीआरएम टीम रही

22वें डीआरएम कप क्रिकेट में विजेता ऑपरेटिंग टीम एवं उप विजेता इंजीनियरिंग टीम रही

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 25 फरवरी, से डब्ल्यू आर एस कॉलोनी में 22वें अंतर विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता 2025 का रंगारंग शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक महोदय दयानंद जी के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। 25 फरवरी, 2025 से प्रारंभ होने वाले इस खेल महासंग्राम में कुल 20 टीमो ने भाग लिया कुल 48 मैच खेले गए। लीग व नॉक ऑउट पदत्ति से खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में नॉक ऑउट दौर से मैच खेले गए दिनांक 19 मार्च, को महिला कर्मचारियों एवं रेलवे पुरुष कर्मचारियों की टीमों ने फाइनल मुकाबला खेला।

पुरुष वर्ग में फाइनल मुकाबला ऑपरेटिंग व इंजीनियरिंग के मध्य खेला गया। एक बहुत ही रोमांचक मुकाबले में ऑपरेटिंग ने इंजीनियरिंग को चार विकेट से हरा कर 22 सालों में पहली बार इस खिताब पर कब्जा किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंजीनियरिंग ने निर्धारित 12 ओवरों में सिर्फ 71 रन ही बना सकी। ऑपरेटिंग की सधी हुई गेंदबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण से इंजीनियरिंग के विकेट लगातार अंतराल में गिर रहे थे जिसके चलते उनका एक बड़ा लक्ष्य खड़ा करने का सपना टूट गया। लेकिन इंजीनियरिंग के भी सधी हुई गेंदबाजी के आगे ऑपरेटिंग के बल्लेबाजों को काफी दिक्कत हुई और एक समय 6 ओवरों में 38 के योग पर 6 विकेट गिर गए। सौरभ को उनकी लाजवाब पारी के लिए मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। तीसरे स्थान के मुकाबले में इलेक्ट्रिक(ओ पी) ने दल्लीराजहरा की टीम को आसानी से हरा दिया। इलेक्ट्रिक(ओ पी) के विश्वदीप को उनके अर्धशतकीय पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। महिला कर्मचारियों द्वारा भी डीआरएम -11 एवं एडीआरएम (इन्फ्रा) के मध्य मुकाबला खेला गया जिसमें डीआरएम -11 की टीम विजेता रही।

माननीय मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री दयानंद जी एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में फाइनल का मुकाबला सेक्रेसा मैदान में दूधिया रौशनी में खेला गया। सेक्रेसा के प्रतिनिधियों ने ढोल नगाड़ों एवं आतिशबाजी के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया। वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी व वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग ने मंडल रेल प्रबंधक महोदय एवं अन्य अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। समापन समारोह में विभिन्न विभागों के कप्तानों ने भी टूर्नामेंट के सुखद अनुभवों को साझा किया और अगले वर्ष इसे और बेहतर करने के लिए अपने सुझाव भी दिए। माननीय मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और विजेता टीम को बधाई दी। उपविजेता टीम और अन्य टीमों को अगले वर्ष और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। माननीय मुख्य अतिथि के कर कमलों से सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा क्रिकेट चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अलग से पुरस्कृत किया गया। इंजीनियरिंग के सुरेश मंगराज को मैन ऑफ द सिरीज़, दल्लीराजहरा के रविन्द्र कुमार को बेस्ट आल राउंडर, इलेक्ट्रिक(ओ पी) के विश्वदीप को बेस्ट बैट्समैन व ऑपरेटिंग के सौरभ को बेस्ट बॉलर का पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा सौरभ को इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब भी दिया गया। बेस्ट वेटरन खिलाड़ी का पुरस्कार बी के बारीक को एवं शमसेर और लक्ष्मण को उनके शतकीय पारियों के लिए पुरस्कृत किया गया। श्रीनू को बेस्ट कैच, टी महेश को बेस्ट फील्डर व संजय वर्मा को बेस्ट विकेटकीपर के मोमेंटो प्रदान किए गए।

राहुल गर्ग ने मंडल रेल प्रबंधक महोदय को पूरे सेक्रेसा परिवार की तरफ से स्मृति चिन्ह भेंट की। अंत मे खेल सचिव श्री दीपक प्रधान ने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी विभागों और सेक्रेसा के प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया।

गौ सेवा रत्न अलंकरण महोत्सव : राज्यपाल पहुंचे मनोहर गौशाला, कामधेनु माता की आरती उतार खिलाए फल व गुड़

रायपुर (विश्व परिवार)। खैरागढ़-छुई खदान-गंडई जिले में स्थित मनोहर गौशाला में शुक्रवार को गौ सेवा रत्न अलंकरण महोत्सव आयोजित किया गया। महोत्सव में राज्यपाल रमेन डेका विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने मनोहर गौशाला में कामधेनु गौ माता की पूजा-अर्चना कर आरती उतारी। साथ ही उन्हें फल और गुड़ खिलाए। उन्होंने कहा कि गौ सेवा न केवल हमारी संस्कृति का हिस्सा है, बल्कि यह पर्यावरण और ग्रामीण जीवन के संतुलन को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस दौरान राज्यपाल को गौ सेवा रत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया। मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन (पदम डाकलिया) ने बताया कि राज्यपाल ने गौ सेवा के महत्व पर भी अपने विचार रखे और गौ रक्षा व संवर्धन की दिशा में निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने गौशाला परिसर का भ्रमण किया और गौवंश की देखरेख व सेवा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। यहां होने वाले रिसर्च और उत्पादों का अवलोकन कर उन्होंने सराहना की और निरंतर गौ सेवा के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

छत्तीसगढ़ बीजेपी की अहम बैठक सम्पन्न, प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर हुई चर्चा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रदेश बीजेपी की अहम बैठक शुक्रवार को हुई. रायपुर कुशाभाऊ भाव ठाकरे परिसर में हुई इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन और डिप्टी सीएम अरुण साव मौजूद रहे. इस बैठक में नगरीय निकाय चुनाव और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में बीजेपी की जीत को लेकर कार्यकर्ताओं और नेताओं को बधाई दी गई. इसके अलावा मीटिंग में पीएम मोदी के दौरे को लेकर चर्चा की गई.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने नगरीय निकाय चुनाव और त्रिस्तरी पंचायत चुनाव में जीत को लेकर बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को बधाई दी. मीटिंग को लेकर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कहा कि पंच से पार्लियामेंट के हमारे नारे पर जनता ने मुहर लगाई है. इस बैठक में नगर निगम के महापौर, सभापति नगर पालिका और नगर पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी बैठक में शामिल हो रहे हैं. इस बैठक को बीजेपी की एक संक्षिप्त कार्यशाला भी कह सकते हैं. इस बैठक में हमारे हर इकाई के नेता और कार्यकर्ता मौजूद हैं. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कहा, छत्तीसगढ़ की जनता ने विश्वास, प्यार और आशीर्वाद भारतीय जनता पार्टी को दिया है. शुरू से इस लक्ष्य को लेकर भारतीय जनता पार्टी चल रही थी. आज एक बड़ी बैठक हुई. जिसमें हमारे चयनित सभी जनप्रतिनिधि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और नगरीय पंचायत चुनाव संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिपेट, कोरबा में एनटीपीसी कोरबा द्वारा प्रायोजित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

कोरबा (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), कोरबा, रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन प्लास्टिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने वाला उत्कृष्ट संस्थान हैं।

सिपेट कोरबा में सत्र 2024 – 25 हेतु एनटीपीसी कोरबा द्वारा प्रायोजित सीएसआर योजनान्तर्गत परियोजना प्रभावित क्षेत्र के युवाओं हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मशीन आपॅरेटर असिस्टेंट – इंजेक्शन मोल्डिंग (स्न्ह – ढ्ढरू) कोर्स एवं मशीन ऑपरेटर सी. एन. सी. लेथ (स्न्ह – ष्टहृष्ट रुस्न ॥श्व) कोर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम दिनांक 19.03.2025 को हुआ।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री बिभास घटक, महाप्रबंधक (ऑपरेशन एवं मैटेंनेंस) एवं विशिष्ट अतिथि श्री शशि शेखर, सहायक महाप्रबंधक (एचआर), श्री शशांक छज्जर, वरिष्ठ प्रबंधक एवं श्रीमती प्रियंका कुमारी, एनटीपीसी कोरबा की गरिमामयी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने प्रशिक्षणार्थियों को व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुवे एनटीपीसी द्वारा किये जा रहे सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यो की सराहना की। साथ ही विशिष्ट अतिथि ने प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन किया एवं अपने अनुभव साझा किए।

उक्त सीएसआर योजनान्तर्गत कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में 60 युवाओं के द्वारा नामांकन किया गया तथा सभी 60 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षणोपरांत सिपेट, कोरबा द्वारा देश के विभिन्न उद्योगों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान श्री राजीव कुमार लिल्हारें, प्रबंधक (तकनीकी) सिपेट कोरबा ने उद्बोधन देते हुवे प्रशाणार्थियों के उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित किया एवं सिपेट, कोरबा द्वारा एनटीपीसी कोरबा को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डॉ. दिवेश बी मेश्राम, श्री सुनील सिंह, श्री ऋषिकेश भांजा एवं सिपेट कोरबा के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोकसभा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल की छत्तीसगढ़ को पूर्वोत्तर राज्यों की तर्ज पर विशेष पैकेज देने की मांग

नई दिल्ली/रायपुर (विश्व परिवार)। शुक्रवार को कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत अनुदान की मांगों पर चर्चा के दौरान रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने लोकसभा में भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ को भी कृषि क्षेत्र में विशेष पैकेज देने की मांग की।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने भाषण की शुरुवात शायरी से की। गांव के गलियों में तब उम्मीदों के दीप जलते हैं। जब किसान सरकार मिलकर चलते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कृषि कल्याण मंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि, नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार किसानों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। जिससे किसानों के जीवन में नया सबेरा आया है। किसानों की योजनाएं सिर्फ कागजों में नहीं यथार्थ के धरातल पर उतर रही है और उसका परिणाम है कि देश के किसान समृद्ध हो रहे है, खुशहाल हो रहे हैं और कृषि के प्रति लोगों का झुकाव लगातार बढ़ रहा है। देश के हर गरीब परिवार के लिए प्रधानमंत्री खाद्यान्न योजना के तहत् अनाज व्यवस्था मोदी सरकार ने की है। सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने किसानों की बेहतरी और कृषि क्षेत्र के समुचित विकास के लिए छत्तीसगढ़ को पूर्वोत्तर राज्यों की तर्ज पर विशेष पैकेज देने की मांग की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 30 प्रतिशत आदिवासी और लगभग 12 प्रतिशत अनुसूचित जाति के लोग रहते हैं, जिनके हितों को ध्यान में रखते हुए यह अनुदान अत्यंत आवश्यक है। बृजमोहनअ अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां लगभग 76 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है।

थैलेसीमिया-सिकलसेल मरीजों को रक्तदान कर 'रक्तदान वीरा' से सम्मानित हुई महिलाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रत्युषा फाउंडेशन द्वारा सर्व ट्रॉम हॉस्पिटल, तात्यापारा में प्रदेश की उन महिला शक्तियों को 'रक्तदान वीरा' सम्मान से नवाजा गया, जिन्होंने थैलेसीमिया और सिकलसेल से पीड़ित मरीजों के लिए रक्तदान किया। संस्था अध्यक्ष प्रीति दास मिश्रा ने बताया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से अलग-अलग ब्लड ग्रुप की महिलाओं ने रक्तदान कर इस महायज्ञ में भागीदारी निभाई। पतंजलि योग महिला ग्रुप रायपुर, श्री बालाजी योगा ग्रुप श्रीनगर और वयं फाउंडेशन सहित अन्य संस्थाओं की महिलाओं को पौधा बैग और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि- मुख्य अतिथि डॉ. सुरेंद्र शुक्ला (अस्थि रोग विशेषज्ञ, सक्षम प्रांत प्रमुख) और विशेष अतिथि श्रीमती इंदिरा जैन (प्रांत महिला प्रमुख, सक्षम), रामजी रजवाड़े (प्रांत प्रचारक, सक्षम), डॉ. प्रीति उपाध्याय (गाइडेंस एंड काउंसलर), पुष्पा समाजसेविका, श्रीमती अनीता वर्मा (समाजसेविका) और डॉ. प्रीति रानी तिवारी (शिक्षिका) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन, मंत्रोच्चार और शंखनाद के साथ हुई।

महिला रक्तदाताओं का योगदान- इस कार्यक्रम में लक्ष्मी जिलहारे, सुगंधा जैन, अनीता गजबिहे, चित्रा सोनी, पूजा कुमारी, अदिति रत्नानी, वैशाली पुरोहित, प्रतिभा त्रिपाठी, राधे जिलहारे, शोभा शर्मा (30 बार रक्तदान), अनीता गजबिहे (20 बार), नीलिमा यादव (10 बार) सहित अन्य महिलाओं ने रक्तदान किया। छत्तीसगढ़ के चारों संभागों से आई महिलाओं द्वारा 27 यूनिट रक्तदान किया गया, जिसे थैलेसीमिया और सिकलसेल मरीजों को उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। रक्तदान केंद्र एवं आयोजन समिति- कार्यक्रम में आशीर्वाद ब्लड सेंटर, वासु सर जयदीप ब्लड बैंक, विवेक शानू संरक्षक, गुणानिधि मिश्रा, कार्यक्रम संयोजिका डॉ. भवानी प्रधान, सुमन पांडे, मंच संचालिका शशि यादव, पिंकी गुरु, मंजू वर्मा, कमला गुरु, गुड़िया साहू, टीना सोनी, किरण वर्मा, आशीर्वाद ब्लड सेंटर एवं सर्व ट्रॉम हॉस्पिटल के पूरे स्टाफ ने विशेष सहयोग दिया।

इस आयोजन ने महिला रक्तदाताओं की प्रेरणादायी भूमिका को उजागर करते हुए रक्तदान महादान के संदेश को और मजबूती प्रदान की। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की तत् पश्चात लक्ष्मी जिलहारे सुगंधा जैन, के जय, अनीता गजबिहे, जे नारायण जी अम्मा, अनीता संधी, मुनी व्यास, डॉ कविता साहू, मंजूषा संत, प्रभा येड़े, पी उषारानी, चिन्मय कुमारी पंडा, चित्र सोनी, पूजा कुमारी अदिति रत्नानी, वैशाली पुरोहित, सुमन यादव, अदिति पटेल प्रतिभा त्रिपाठी, राधे जिलहारे आयुष मिश्रा, आई एस श्री आयुषा, श्री लक्ष्मी, के शांत अर्चना बोरा कविता साहू, वैशाली पुरोहित 30 शोभा शर्मा 28 बार अनीता गजबिहे 20 बार नीलिमा यादव 10 बार छत्तीसगढ़ के चारों संभाग के अलग अलग शहर और समाज की महिलाओं द्वारा से आज 27 यूनिट रक्तदान किया गया।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने की 'बड़ौदा एमडिजिनेक्स्ट' मोबाइल ऐप की शुरुआत

- कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगी बेहतर नकदी प्रबंधन सेवाएं
- कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगी बेहतर नकदी प्रबंधन सेवाएं
- बैंक अब नकदी प्रबंधन सेवाओं के लिए विशिष्ट ऐप की सुविधा देने वाले भारत के चुनिंदा बैंकों में शुमार

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने आज बड़ौदा कैश मैनेजमेंट सर्विसेज (BCMS) का उपयोग करने वाले बैंक के कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए नकदी प्रबंधन सेवासे संबंधित एक विशिष्ट ऐप 'बड़ौदा एमडिजिनेक्स्ट' मोबाइल ऐप की शुरुआत करने की घोषणा की। इससे बैंक ऑफ़ बड़ौदा भारत के उन चुनिंदा बैंकों में शामिल हो गया है जिन्होंने कॉरपोरेट्स की नकदी प्रबंधनसंबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए विशिष्ट ऐप की पेशकश की है। कई महत्वपूर्ण भुगतान प्रणालियों की पेशकश के साथ, बड़ौदा एमडिजिनेक्स्ट मोबाइल ऐप कॉर्पोरेट्स के वर्किंग कैपिटल एवं कैश फ्लो प्रबंधन के तरीके को बदलते हुए उनके लेनदेन में तेजी लाएगा जिससे वे अधिक दक्षता के साथ अपने व्यवसाय को संचालित कर पाएंगे।

अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित बड़ौदा एमडिजिनेक्स्ट मोबाइल ऐप को कॉर्पोरेट्स के लिए सुचारु नकदी प्रबंधन और सुव्यवस्थित वर्कफ़्लो के हिसाब से तैयार किया गया है। उपयोगी और उन्नत वित्तीय टूल्स तक 24×7 एक्सेस के माध्यम से यह ऐप कॉर्पोरेट ग्राहकों को कभी भी, कहीं भी त्वरित और बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में सहायता करता है।

ऐप के शुभारंभ के अवसर पर बात करते हुए, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री देबदत्त चांद ने कहा कि कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए बड़ौदा एमडिजिनेक्स्ट मोबाइल ऐप की शुरुआत के साथ, श्रेष्ठ नकदी प्रबंधन और बैंकिंग सेवाएं प्रदान करते हुए हम कॉर्पोरेट ग्राहकों को बेहतरीन ग्राहक अनुभव प्रदान करने जा रहे हैं। यह ऐप एक यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, अत्याधुनिक टूल्स एवं विशिष्टताओं तथा बाधा रहित लेनदेन के साथ-साथ, हमारे ग्राहकों को विस्तृत इनसाइट्स भी प्रदान करेगा जो उन्हें प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक परिदृश्य में प्रतिस्पर्धियों से एक कदम आगे रहने में मदद करेगा।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के कार्यपालक निदेशक श्री ललित त्यागी ने कहा कि बड़ौदा एमडिजिनेक्स्ट मोबाइल ऐप की शुरुआत नकदी प्रबंधन सेवाओं की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील स्तंभ है, जो नवोन्मेषी और भविष्य के लिए तैयार डिजिटल सोल्यूशंस प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। भारत में कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए एक विश्वसनीय बैंकिंग साझेदार के रूप में, यह ऐप हमारे कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए कैश फ्लो प्रबंधन के क्षेत्र में सुविधा, दक्षता और नियंत्रण में वृद्धि करेगा। -शेष पेज 5 पर

मुंह का ना खुलना
पान, तंबाकू सेवन के कारण मुंह का ना खुलना एक्सीडेंट में चोट या अन्य कारणों से मुंह का ना खुलना

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354